हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023

नागपुर, बुधवार, 1 जनवरी 2025

अंक 80/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

नए साल में बढ़ेगी अर्थव्यवस्था की गति

नई दिल्ली.

> ग्रामीण और सरकारी खपत के साथ निवेश से मिलेगा समर्थन

ग्रामीण और सरकारी खपत के साथ निवेश में वृद्धि से अर्थव्यवस्था की रफ्तार नए साल में बढ़ने की उम्मीद है। चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर 6.6 फीसदी रहने का अनुमान है। आरबीआई की सोमवार को जारी वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में कहा गया है कि उच्च उपभोक्ता और कारोबारी विश्वास के अलावा मजबूत सेवा निर्यात से 2025 में अर्थव्यवस्था की संभावनाएं बेहतर होने की उम्मीद है।रिपोर्ट की प्रस्तावना में आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, हालिया मंदी के बावजूद संरचनात्मक विकास के चालक बरकरार हैं। इसलिए, वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में सुस्ती के बाद घरेलू जीडीपी के दूसरी छमाही में रफ्तार पकड़ने की उम्मीद है। इसे सरकारी उपभोग-निवेश और वित्तीय स्थितियों में वृद्धि से समर्थन मिलेगा। आर्थिक वृद्धि के मुकाबले महंगाई को प्राथमिकता देने पर आरबीआई की आलोचना के बीच मल्होत्रा ने यह बात कही है। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में वृद्धि दर घटकर 6 फीसदी रह गई। 2023-24 की पहली और दूसरी छमाही में यह क्रमशः 8.2 फीसदी एवं 8.1 फीसदी रही थी।

वित्तीय प्रणाली मजबूत स्थिति में

रिपोर्ट में कहा गया है कि परिसंपत्तियों और इक्विटी पर रिटर्न दशक के उच्च स्तर पर हैं। अधिकांश बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के पास विपरीत परिस्थितियों के बावजूद नियामक की न्यूनतम सीमा की तुलना में पूंजी का स्तर ज्यादा है। मल्होत्रा ने कहा, भारत में वित्तीय क्षेत्र के नियामक भी सुधारों को तेज कर रहे हैं। मजबूत आय, एनपीए में कमी और मजबूत पूंजी भंडार से वित्तीय प्रणाली सुदृढ़ हुई है।

मंदी के जाल में फंसा अमेरिका

नई दिल्ली.

अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए नया साल 2025 बुरी खबर लेकर आ सकता है. दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के मंदी में जाने का खतरा पैदा हो गया है. बढ़ते कर्ज और बाजार असंतुलन के बीच अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी आने की संभावना बढ़ती जा रहा है. इंवेस्टमेंट स्ट्रैटजी तैयार करने वाली दिग्गज प्लेटफॉर्म स्मॉलकेस ने एक स्टडी किया है जिसमें अमेरिकी अर्थव्यवस्था को लेकर चिंता जाहिर की गई है.

अमेरिका पर लगातार बढ़ते कर्ज और मार्केट असंतलुन के चलते उसकी अर्थव्यवस्था मंदी में प्रवेश कर सकती है. स्टडी के मुताबिक स्टॉक्स, बिट्कॉइंस, कर्ज लेकर किया गए निवेश और मीम स्टॉक्स में जिस प्रकार की तेजी देखी जा रही है वो पागलपन को दर्शा रहा है जैसा कि कोविड लॉकडाउन के दौरान देखने को मिला था.

स्मॉलकेस के मुताबिक अमेरिकी अर्थव्यवस्था के मंदी में प्रवेश करने के खतरे के बीच सोने और चांदी में निवेश सबसे सुरक्षित निवेश के तौर पर उभरा है.

ऐसे मल्टीपल इकोनॉमिक इंडीकेटर्स ने अमेरिका में मंदी की संभावना को लेकर चिंता जाहिर की है. क्रेडिट कार्ड के भुगतान में चूक से लेकर हाई रेश्यो इस बात की गवाही दे रहे हैं कि आने वाले समय बेहद चुनौतीपूर्ण साबित होने वाला है. क्रेडिट कार्ड पेमेंट की चूक 2010 के बाद पहली बार 4% से ज्यादा देखी जा रही है जो बढ़ते वित्तीय संकट और उपभोक्ता खर्च में कमी के दबाव को दर्शाती है. ये इंडीकेटर्स इस ओर इशारा कर रहे हैं कि आर्थिक उतार-चढ़ाव बेहद ज्यादा है.

अमेरिका का डेट-टू-जीडीपी रेश्यो रिकॉर्ड 124.3 फीसदी पर जा पहुंची है. 2023 में केवल कर्ज के ब्याज के भुगतान पर अमेरिका को 1 ट्रिलियन डॉलर खर्च करना पड़ा है. इस बढ़ते कर्ज के चलते अमेरिका के इकोनॉमिक ग्रोथ और वित्तीय स्थिति पर नकारात्मक असर पड़ा है. रूल जो मंदी का इंडीकेटर है वो अगस्त 2024 में 0.57 फीसदी हो चुका है. ये इंडीकेटर मंदी के तब संकेत देता है जब बेरोजगारी में 12 महीने निचले लेवल से 0.50 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिलती है. इस इंडीकेटर का 1970 के बाद से आर्थिक स्लोडाउन का अनुमान बेहद सटीक रहा है.

अडानी विल्मर के शेयर बेचकर जुटाएंगे दो अरब डॉलर

नई दिल्ली.

मशहूर उद्योगपति गौतम अडानी का कदम कई बार चौंकाता है. लेकिन उनके बड़े इरादों को जानते ही लोग हैरान रह जाते हैं. इस बार भी गौतम अडानी कुछ ऐसा ही करने जा रहे हैं. इसकी भनक ही भारत के आर्थिक जगत को आश्चर्य में डाले हुए है. दरअसल एनर्जी, ट्रांसपोर्ट और इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में अडानी बड़ी छलांग लगाने जा रहे हैं. इस सेक्टर के विस्तार में वे कम से कम दो अरब डॉलर का दांव लगाने जा रहे हैं. यह राशि वे अडानी विल्मर समूह में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेचकर जुटाएंगे. अडानी विल्मर समूह खाद्य तेल के उत्पादन के लिए मशहूर है. खासकर इसके फॉर्च्यून ब्रांड के सरसो तेल, सोयाबीन तेल और सूरजमुखी तेल तो भारतीय घरों की रसोई में काफी पसंद किए जाते हैं.

अडानी अपनी 44 फीसदी शेयर बेचकर विल्मर समूह के साथ अपनी ज्वाइंट वेंचर कंपनी से पूरी तरह से बाहर हो जाएंगे. अडानी इंटरप्राइजेज लिमिटेड यानी एईएल ने 30 दिसंबर को इसकी घोषणा की है. अडानी इंटरप्राइजेज लिमिटेड दो हिस्सों में अपनी हिस्सेदारी बेचेगी. 13 फीसदी शेयर स्टॉक मार्केट के जरिए सार्वजनिक रूप से बेचेगी. वहीं 31 फीसदी शेयर सिंगापुर की विल्मर कंपनी के हाथों बेचेगी. इससे विल्मर के शेयर 44 फीसदी से बढ़कर 88 फीसदी हो जाएंगे. फिलहाल अडानी-विल्मर कंपनी में प्रमोटर्स के 88 फीसदी शेयर हैं. इनमें 44 फीसदी शेयर अडानी समूह के और 44 फीसदी शेयर सिंगापुर की विल्मर कंपनी के हैं. अडानी जैसे साझीदार के हाथ खींच लेने से भारत में विल्मर समूह को झटका लगा है. अब वह भारत में अडानी जैसे किसी और साझीदार की तलाश कर रही है. जो उसके फॉर्च्यून ब्रांड को बाजार और लोगों की रसोई में पहले की तरह ही मजबूती से बनाए रखने में साथ दे सके.

अदाणी ने कौशल आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया

लखनऊ. विविधीकृत अदाणी पोर्टफोलियो की सीमेंट और निर्माण सामग्री कंपनी एसीसी, अदाणी फाउंडेशन के साथ मिलकर टिकरिया में कौशल विकास पहल के माध्यम से ग्रामीण युवाओं को सशक्त बना रही है। अदाणी कौशल विकास केंद्र (एएसडीसी) में प्रशिक्षण के माध्यम से, अमेठी के ककवा गांव की मालती देवी ने अपने जीवन को बदल दिया है, अपने परिवार का समर्थन करने और आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए वित्तीय कठिनाइयों को पार किया है। मालती देवी ने अपने पिता के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारियों को निभाते हुए कई चुनौतियों का सामना किया। उन्होंने एएसडीसी टिकरिया में तीन महीने का डोमेस्टिक डेटा एंट्री ऑपरेटर कोर्स किया, जिससे उन्हें ज़रूरी कौशल हासिल हुए। उनकी कड़ी मेहनत और लगन का नतीजा यह हुआ कि उन्हें इंडिविलेज टेक सॉल्यूशंस में नौकरी मिल गई, जहाँ उन्हें हर महीने 11,800 रुपये की आय होती है।

यूपीआई किंग बना भारत

नई दिल्ली.

यूपीआई साल 2024 अपने अंतिम पड़ाव में है. इस दौरान अगर हम पीछे मुड़कर देखें तो भारत ने इस साल कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की. इनमें लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल की सफल टेस्टिंग से लेकर दवा निर्माण के सेक्टर में ग्लोबल लीडर के रूप में देश का उभरना शामिल है. साल 2024 में एक और उपलब्धि भारत ने अपने नाम की. इस साल देश में यूपीआई के जरिए रिकॉर्ड 16.5 बिलियन लेनदेन हुए. एक्स पर अपने ऑफिशियल अकाउंट पर इसके बारे में लिखा कि साल 2024 भारत के लिए ऐतिहासिक रहा क्योंकि इस दौरान कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की गईं, अलग-अलग सेक्टर में बढ़िया काम हुआ. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में विकसित भारत की दिशा में यह सफर दुनिया को प्रेरित करेगी.

देश में इस डिजिटल सिस्टम की शुरुआत साल 2016 में की गई थी और यह लेनदेन का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है. इसी साल सितंबर में वॉल्यूम के लिहाज से यह 15.04 बिलियन तक पहुंचा था, जबकि जुलाई में वैल्यू के लिहाज से 20.64 ट्रिलियन रुपये तक पहुंच गया.

पिछले महीनों के आंकड़ों से पता चलता है कि यह लेनदेन माल और सेवा की खरीद-बिक्री के लिए व्यक्ति और व्यापारी के बीच हुआ. इसे अक्टूबर के त्योहारी सीजन में बढ़ावा मिला. यह पहली दफा था जब यूपीआई ने वॉल्यूम में 16 बिलियन और वैल्यू में 23 ट्रिलियन रुपये के आंकड़े को पार कर लिया था. सितंबर के मुकाबले वॉल्यूम में 10 प्रतिशत और वैल्यू में 14 प्रतिशत का इजाफा हुआ.

सोनाटा ने पेश किया नया स्लीक कलेक्शन

नई दिल्ली.

भारत के अग्रणी वॉच ब्राण्ड सोनाटा ने अपनी आइकोनिक स्लीक सीरीज़ के छठे संस्करण -स्लीक कलेक्शन का अनावरण किया। यह नया लॉन्च भव्यता और इनोवेशन को नया आयाम देने की सोनाटा की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, इसके साथ कंपनी अपने इतिहास में सबसे स्लिम मैन्स वॉचकेस लेकर आई है। बोल्ड नई पहचान और सोच-समझ कर बनाई गई रेंज के साथ यह कलेक्शन आज के युवा प्रोफेशनल्स की पसंद को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया है। अरबन एवं सब-अरबन प्रोफेशनल्स के लिए पेश किया गया स्लीक कलेक्शन सदाबहार डिज़ाइन के साथ आधुनिकता का बेहतरीन संयोजन है।

उद्योग जगत की रिपोर्ट के अनुसार भारतीयों में मध्यम कीमत वाली घड़ियों की मांग तेज़ी से बढ़ रही हैं, जो स्टाइल के साथ-साथ पैसा वसूल भी हों। सोनाटा का नया स्लीक कलेक्शन इसी मांग को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया है जो किफ़ायती दाम में शिक लुक देता है। अल्ट्रा-स्लिम 6.05 एमएम प्रोफाइल, डिश कन्स्ट्रक्टेड बॉटम के साथ ये घड़ियां कलाई पर खूबसूरती से फिट हो जाती हैं। इस कलेक्शन की घड़ियों में मैटल, लैदर और मैश स्ट्रैप के विकल्प हैं जो युवा मिलेनियल्स, जेन ज़ी प्रोफेशनल्स की जीवनशैली के साथ बखूबी मैच करते हैं। भव्यता और व्यवहारिकता के बीच तालमेल बनाते हुए यह कलेक्शन आज के ट्रेंडी प्रोफेशनल्स की महत्वाकांक्षाओं पर खरा उतरता है और उनके पसंदीदा ब्राण्ड के रूप में सोनाटा की स्थिति को मजबूत बनाता है।

नए कलेक्शन पर बात करते हुए प्रतीक गुप्ता, हैड ऑफ ब्राण्ड, सोनाटा ने कहा, ''नए स्लीक कलेक्शन के लॉन्च के साथ हम सोनाटा की इनोवेशन एवं उत्कृष्टता की यात्रा को एक कदम और आगे ले गाए हैं। आज के प्रोफेशनल्स की पसंद को ध्यान में रखते हुए यह कलेक्शन डिज़ाइन किया गया है, जो स्टाइल और व्यवहारिकता के बीच बेहतरीन संयोजन है। सोनाटा में हम ऐसी घड़ियों पर ध्यान केन्द्रित करते हैं, जो न सिर्फ व्यक्तिगत स्टाइल में निखार लाएं बल्कि हमारे उपभोक्ताओं की व्यस्त जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा भी बन जाएं।

आज के व्यस्त एवं गतिशील युवाओं के लिए लाई गई इस सीरीज़ में ऐसी घड़ियां शामिल हैं जो व्यवहारिक होने के साथ-साथ देखने में भी आकर्षक हैं। सिल्क कलेक्शन रु 1895 से 2895 तक उपलब्ध है।

अब ऑनलाइन पैसे भेजने में गड़बड़ी नहीं

लाभार्थी के खाते के सत्यापन की मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ऑनलाइन पैसा ट्रांसफर करने में होने वाली गड़बड़ी पर अंकुश लगाने के लिए बड़ी पहल की है। आरबीआई ने राष्ट्रीय भुगतान निगम से खास प्रणाली विकसित करने को कहा है। नई प्रणाली में आरटीजीएस और एनईएफटी माध्यमों से पैसा भेजने वाले ग्राहक बैंक खाते के नाम का सत्यापन कर सकेंगे। ऑनलाइन पैसा भेजने के दौरान लाभार्थी के खाते का सत्यापन करने की इस सुविधा के कारण गड़बड़ी की आशंका को दूर किया जा सकेगा। यह व्यवस्था अगले वित्तीय वर्ष यानी एक अप्रैल, 2025 से प्रभाव में आएगी।आरबीआई ने सोमवार को बताया कि 'रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट' (आरटीजीएस) और 'राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक कोष अंतरण' (एनईएफटी) जैसे विकल्प देने वाले बैंकों को एक अप्रैल, 2025 से पहले ग्राहकों को सत्यापन की सुविधा प्रदान करनी होगी। और प्रणाली से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़े सभी बैंकों को यह सलाह दी गई है।

वर्तमान में केवल एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) और तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस) के तहत पैसा भेजने वाले ग्राहकों को पैसा ट्रांसफर करने से पहले लाभार्थी के नाम का सत्यापन करने की सुविधा मिलती है।

खाने पर अधिक खर्च कर रहा भारत

> 60 फीसदी के पार पहुंचा आंकड़ा

नई दिल्ली.

खाने-पीने यानी फूड आइटम्स से ज्यादा देश के लोग नॉन फूड आइटम्स पर ज्यादा खर्च कर रहे है. खासकर शहरों में नॉन फूड आइटम्स पर खर्च 60 फीसदी से ऊपर है. जबकि गांवों में ये आंकड़ा 50 फीसदी से ऊपर देखने को मिल रहा है.सरकार की इस रिपोर्ट में अगस्त 2023 से जुलाई 2024 तक के आंकड़े दिए गए हैं. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर इस रिपोर्ट में और किस तरह की जानकारी दी गई है.

नॉन फूड प्रोडक्ट्स पर खर्च के तहत बेहद चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं. भले ही शहर में नॉन फूड प्रोडक्ट्स पर खर्च 60 फीसदी से ज्यादा देखने को मिला है. लेकिन वो खर्च पिछले साल के मुकाबले मामूली रूप से कम है. आंकड़ों के अनुसार साल 2023-24 में शहरों में खर्च 60.32 फीसदी देखने को मिला जो साल 2022-2023 में 60.83 फीसदी देखने को मिला था. जबकि ग्रामीण इलाकों में भी मामूली गिरावट देखने को मिली है. गांवों में साल 2022-23 में जो खर्च 53.62 फीसदी देखने को मिला था वो साल 2023-24 में कम होकर 52.96 फीसदी पर आ गया. खास बात तो ये है कि नॉन फूड प्रोडक्ट्स पर गांव में एक व्यक्ति ने एक महीने में औसतन 2,183 रुपए खर्च किए हैं. जबकि शहर में रहने एक व्यक्ति का महीने का खर्च 4,220 रुपए देखने को मिला.

साल के आखिरी दिन बाजार में छाई मायूसी

नई दिल्ली.

विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी और वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के बीच मंगलवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई. बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 468.14 अंक की गिरावट के साथ 77,779.99 अंक पर आ गया. जबकि एनएसई निफ्टी 117.05 अंक फिसलकर 23,527.85 अंक पर रहा.

सुबह 10 बजकर 25 मिनट पर सेंसेक्स 602 अंकों की गिरावट के साथ 77645 के स्तर पर कारोबार कर रहा है. सेंसेक्स में लिस्टेड 30 कंपनियों में से टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, जोमैटो, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट रही. वहीं, कोटक महिंद्रा बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टाटा मोटर्स और टाटा स्टील के शेयरों में बढ़त दर्ज की गई. एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और चीन का शंघाई कम्पोजिट नुकसान में रहे जबकि हांगकांग का हैंगसेंग फायदे में रहा.अमेरिकी बाजार सोमवार को नकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे.अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74.39 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा.शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) सोमवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,893.16 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

रबी फसलों की बुवाई 614 लाख हेक्टेयर से अधिक

नई दिल्ली.

> गेहूं का रकबा 2.15 फीसदी बढ़ा

गेहूं बुवाई का रकबा चालू रबी सीजन में 2.15 फीसदी बढ़कर 319.74 लाख हेक्टेयर पहुंच गया। पिछले सीजन में यह 313 लाख हेक्टेयर था। इस दौरान कुल 614 लाख हेक्टेयर से अधिक में रबी फसलों की बुवाई की गई। हालांकि, तिलहन का रकबा 5.14 फीसदी घटकर 96.15 लाख हेक्टेयर रह गया।कृषि मंत्रालय के सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, चालू रबी सीजन में 30 दिसंबर तक दलहन का रकबा 136.13 लाख हेक्टेयर पर अपरिवर्तित रहा। इसमें चना 93.98 लाख हेक्टेयर और मसूर 17.43 लाख हेक्टेयर में बोया गया है। मोटे अनाज की बुवाई 47.77 लाख हेक्टेयर से मामूली बढ़कर 48.55 लाख हेक्टेयर पहुंच गई।

रबी सीजन की अन्य फसलों की बुवाई की बात करें तो धान 14.37 लाख हेक्टेयर में बोया गया है.

जबकि पिछली बार 13.61 लाख हेक्टेयर में इसकी बुवाई हुई थी। मटर की बुवाई का रकबा 8.98 लाख हेक्टेयर से मामूली घटकर 8.94 लाख हेक्टेयर रह गया। इसके अलावा, मूंगफली तिलहन की खेती का रकबा पिछले रबी सीजन की तुलना में 3.32 लाख हेक्टेयर पर ही स्थिर बना रहा। देश का लगभग 90 फीसदी भूजल कृषि के लिए उपयोग किया जाता है। 2022 के सरकारी आकलन के अनुसार जल संसाधनों के अस्थिर उपयोग के कारण ब्रेडबास्केट राज्यों पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में भूजल निष्कर्षण की दर 100 फीसदी से अधिक है। पिछले मानसून के दौरान उत्तर प्रदेश में 14 फीसदी बारिश की कमी जबकि असम में यह कमी 13 फीसदी दर्ज की गई थी।

श्रीअन्न और तिलहन की बुवाई में पिछड़े

इसी तरह अब तक 38.75 लाख हेक्टेयर में श्रीअन्न या मोटे अनाज की बुवाई हो चुकी है। जबकि तिलहन के मामले में यह आंकड़ा 91.6 लाख हेक्टेयर दर्ज किया गया है। 2023-24 में समान अवधि के दौरान 40.45 लाख हेक्टेयर में श्रीअन्न या मोटे अनाज की बुवाई हो चुकी थी। तिलहन की भी पिछले सीजन में अब तक 96.96 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बुवाई हो चुकी थी।

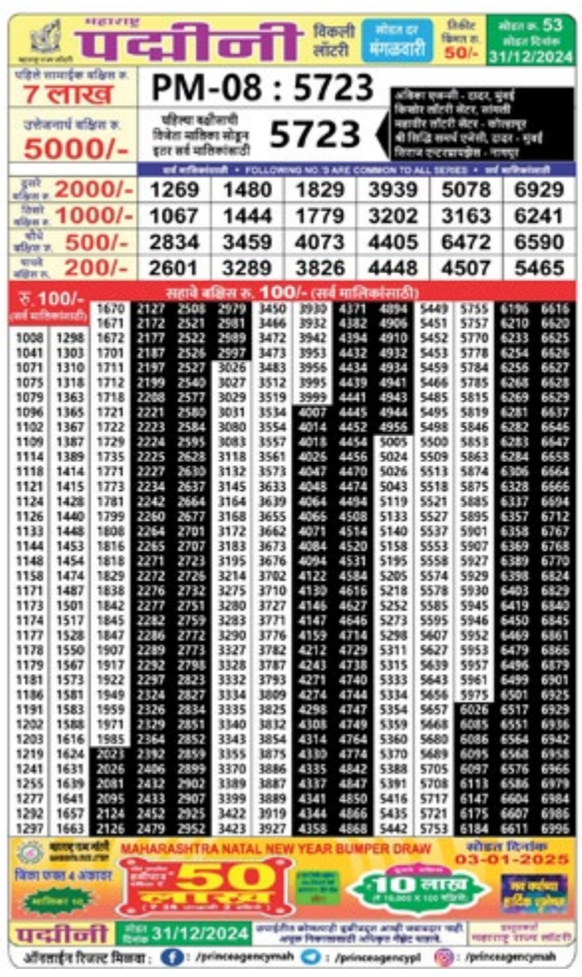

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

सबके चेहरे दमक रहे हैं, सबके मन में निखरा हर्ष -हम सब साधक मातृभूमि के, सबका ध्येय राष्ट्र उत्कर्ष...

सुधी पाठकों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं !

हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

2025

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023

नागपुर, बुधवार, 1 जनवरी 2025

अंक 80/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

नए साल का हो गया आगाज, न्यूजीलैंड में जश्न शुरू

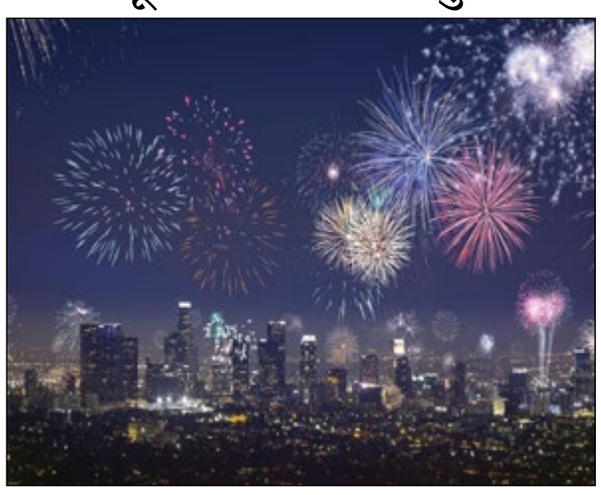

न्यूजीलैंड.

दुनिया में सबसे पहले नए साल का आगाज किरीटीमाटी द्वीप पर 3.30 बजे हुआ। यह द्वीप प्रशांत महासागर में स्थित है और किरिबाती रिपब्लिक का हिस्सा है।यहां का समय भारत से 7.30 घंटे आगे है, यानी जब भारत में 3:30 बजे होते हैं, तो किरीटीमाटी में नया साल शुरू हो जाता है। इसके बाद चैथम द्वीप न्यूजीलैंड में भी नए साल का जश्न शुरू हो गया है। जैसे ही घड़ी में रात के 12 बजेंगे वैसे ही पुराना साल विदा हो जाएगा और नए साल का स्वागत होगा। सबसे आखिरी में नए साल का जश्न दक्षिण प्रशांत में अमेरिकी समोआ और नीयू द्वीप में होता है। अलग-अलग टाइम जोन के कारण कई देश अलग-अलग समय पर नए साल का जश्न मनाएंगे। भारत से पहले 41 देश ऐसे हैं, जहां नया साल मनाया जाता है। नए साल 2025 का स्वागत न्यूजीलैंड ने धूमधाम से किया गया। ऑकलैंड में आइकॉनिक स्काई टावर पर आतिशबाजी के साथ जश्न मनाया गया।

दुनिया भर में नए साल के मौके पर कई शहरों में शानदार आतिशबाजी का आयोजन किया जाता है। सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) में सिडनी हार्बर ब्रिज और ओपेरा हाउस पर जबरदस्त आतिशबाजी होती है, जिसे लाखों लोग लाइव देखते हैं। न्यूयॉर्क (यूएसए) के टाइम्स स्क्वायर पर काउंटडाउन के बाद बेहद शानदार आतिशबाजी देखने को मिलती है। रियो डी जेनेरियो (ब्राजील) के कोपाकबाना बीच और कैनबरा (ऑस्ट्रेलिया) के लेक बर्ली ग्रिफिन में भी नए साल को लेकर खास शो होते हैं।

बीता साल गया, नया साल आया है!

देश ने उम्मीदों का सूरज उगाया है नए साल का शानदार स्वागत

नागपुर.

वर्ष 2024 की आखिरी शाम को यादगार बनाने और 2025 के स्वागत के लिए शहर में उत्साह का माहौल है। शहर के पार्कों से लेकर पर्यटन स्थलों पर रौनक देखी जा रही है। शहर के मॉल, होटल और रेस्टोरेंट रंगीन रोशनी से नहा उठे हैं। कई स्थानों पर तो मंगलवार को रातभर पार्टी आयोजित करने की तैयारी चल रही है। बड़ी संख्या में बुकिंग हो चुकी है। होटल ताज में कपल व सिंगल दोनों के लिए 2500 रुपये का डिनर बुक करने

पर लाइव बैंड, डीजे और म्यूजिक फ्री मिलेगा। समिट बिल्डिंग के एक रेस्तरां में 8,999 रुपये में कपल पार्टी बुक करने पर अनलिमिटेड म्यूजिक व खाना मिलेगा। इसी प्रकार हजरतगंज, अवध शिल्प ग्राम, चांसलर क्लब, अवध जिमखाना सहित शहर के विभिन्न क्लबों, होटलों और रेस्तरां में नए वर्ष के जश्न की खास तैयारियां की गई हैं। शहर के प्रमुख मंदिर, गुरुद्वारों, मठों और चर्चों में नए साल की पूर्व संध्या पर प्रार्थनाओं का दौर चलेगा। एक जनवरी से राजेंद्रनगर के महाकाल मंदिर में अरणी मंथन से ज्वाला प्रकट कर तीन दिनों तक विशेष पूजा होगी। वहीं, इंस्कॉन मंदिर में कान्हा के लिए वृंदावन से डेढ़ लाख का जरी सूट आएगा। सत्य मंदिर में विश्व कल्याण की भावना से 9 साध्वी विशेष 51 खंड की प्रार्थना करेंगी। यहियागंज व नाका गुरुद्वारा में नगर कीर्तन किया जाएगा। ब्रह्मकुमारीज भक्तों को संस्कारों की पाठशाला में पढ़ाया जाएगा।

नए साल में मिले आपको, खुशियों का खजाना

नववर्ष में आपका उत्कर्ष हो, हर क्षण बस हर्ष हो आपके कर्म सबके लिए आदर्श हो नववर्ष में इन्हीं शुभकामनाओं के साथ कामना है कि 2025 का प्रत्येक दिन बेहतर रहे, न्यूजट्रैक परिवार की ओर से आपको और आपके परिवार को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ। यह नववर्ष आपके जीवन में नई ऊर्जा, नई संभावनाओं और खुशियों की बौछार लेकर आए। आइए, इस शुभ अवसर पर एकजुट होकर अपने लक्ष्यों को पाने के लिए और समाज को नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध हों। हमारी हर छोटी कोशिश, हर छोस कदम मिलकर बड़े बदलाव का हिस्सा बने। नया साल आपके जीवन को उज्ज्वल बनाए और आपके हर सपने को साकार करे।

जयपुर के गैस फिलिंग प्लांट में गैस रिसाव

जयपुर. साल 2024 के आखिरी दिन राजस्थान के जयपुर से परेशान करने वाली खबर सामने आई है। मंगलवार को यहां पर एक ऑक्सीजन प्लांट में गैस लीकेज होने लगी, जिसके बाद वहां पर और आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। प्रारंभिक तौर पर बताया गया है कि टैंकर के वॉल्व के टूटने से ये लीकेज हुआ था। बता दें कि ये घटना सीकर रोड नंबर 18 पर स्थित ऑक्सीजन गैस की बताई जा रही है।

घटना की जानकारी होते ही सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची, जिसके बाद वॉल्व को बंद कराया गया। इसके बाद गैस का रिसाव कम हुआ। किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए मौके पर पुलिस बल, दमकल, एम्बुलेंस मौजूद है। वर्तमान में गैस का रिसाव बंद है। लेकिन पिछले कुछ समय में हुए रिसाव के कारण गैस तेजी से पूरे क्षेत्र में फैला है। आस पास के इलाके में मौजूद गाड़ियों पर भी गैस के रिसाव के सबूत देखने को मिल सकते हैं। बताया जा रहा है कि इस ऑक्सीजन प्लांट के एक टैंकर में करीब 20 टन गैस भरी हुई थी। मंगलवार शाम 4 बजे के करीब टैंकर का वॉल्व टूट गया, जिसके बाद गैस लिकेज शुरू हो गई।

जनवरी में प्रस्तावित श्रीहरिकोटा से 100वां जीएसएलवी मिशन लॉन्च होगा: इसरो

नई दिल्ली. जीएसएलवी का लॉन्च 2025 के जनवरी में होगा। यह प्रक्षेपण भूस्थिर उपग्रह प्रक्षेपण यान (जीएसएलवी) द्वारा किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि की जानकारी इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने दी। सोमनाथ ने बताया कि सोमवार 31 दिसंबर को इसरो ने पीएसएलवी-सी60 मिशन के सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद श्रीहरिकोटा से 99वां प्रक्षेपण किया। इस मिशन में इसरो ने 'स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट' (स्पाडेक्स) की सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया, जिसमें दो अंतरिक्ष यान पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित किए गए। यह एक बड़ी सफलता मानी जा रही है, क्योंकि इसने इसरो की 'स्पेस डॉकिंग' तकनीकी क्षमता को प्रदर्शित किया। एस. सोमनाथ ने कहा, "स्पाडेक्स मिशन और इसका सफल प्रक्षेपण इसरो के लिए एक ऐतिहासिक कदम है।

बीड़ में 'गुंडा राज' बर्दाश्त नहीं किया जाएगा: सीएम फडणवीस

बीड़.

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को चेतावनी दी कि बीड में 'गुंडा राज' बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. सीएम ने कहा कि सरपंच संतोष देशमुख हत्या मामले में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा. फडणवीस ने कहा कि उन्होंने देशमुख के भाई से टेलीफोन पर बात की और उन्हें आश्वासन दिया कि मामले में न्याय होगा. पुलिस ने बताया कि बीड के मासाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख का नौ दिसंबर को अपहरण कर हत्या कर दी गई थी. सरपंच की हत्या कथित तौर पर इसलिए की गई क्योंकि उन्होंने कुछ लोगों द्वारा बीड जिले में एक पवन ऊर्जा कंपनी से जबरन वसूली किए जाने की कोशिश का विरोध किया था. मुख्यमंत्री ने कहा, 'मैंने दिवंगत संतोष देशमुख के भाई से बात की और उनसे कहा कि उन्हें चिंता नहीं करनी चाहिए. जब तक दोषियों को फांसी नहीं हो जाती, पुलिस अपना काम करती रहेगी.' उन्होंने कहा, 'बीड़ मामले में शामिल सभी लोगों पर मुकदमा चलाया जाएगा. हम गुंडा राज बर्दाश्त नहीं करेंगे. जो लोग कानून को अपने हाथ में लेने या निवासियों से जबरन वसूली करने की कोशिश करेंगे, उन्हें सख्त परिणाम भुगतने होंगे. पुलिस फिलहाल उन संदिग्धों की तलाश कर रही है जो फरार हैं. किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा.

सीएम आतिशी ने करोलबाग गुरुद्वारे के ग्रंथियों का किया रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली. दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी ने मंदिर के पुजारियों और गुरुद्वारे के ग्रंथियों के लिए पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना लॉन्च की. वहीं मंगलवार से इसके रजिस्ट्रेशन की शुरुआत कर दी गई. जहां आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आईएसबीटी स्थित मरघट वाले बाबा के मंदिर पहुंचकर हनुमान जी के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद लिया. इसके साथ ही 'पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना' की शुरुआत की.

यहां उन्होंने पुजारी का रजिस्ट्रेशन किया. वहीं मुख्यमंत्री आतिशी ने करोल बाग के गुरुद्वारे से ग्रंथियों का रजिस्ट्रेशन कर इस योजना की शुरुआत की. इस दौरान उन्होंने गुरुद्वारा साहिब में प्रार्थना भी की. 'पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना' के रजिस्ट्रेशन की शुरुआत करने के दौरान अरविंद केजरीवाल के साथ उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल भी मौजूद रहीं. उन्होंने कहा, "बीजेपी ने रजिस्ट्रेशन रोकने की पूरी कोशिश की. लेकिन, भक्त को अपने भगवान से मिलने से कोई नहीं रोक सकता.

सुविचार

मिले आपको शुभ संदेश, धरकर खुशियों का वेश,
पुराने साल को कहें अलविदा नव वर्ष की हार्दिक बधाई।

संपादकीय

नए अवसरों के द्वार खोलेगा 2025

भारतीय अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती

❒ भू-राजनीतिक चुनौतियों से उत्पन्न आपूर्ति शृंखला और कच्चे तेल के दामों में आई तेजी के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था 2024 में विश्व की सबसे तेज बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी रही है। तकनीकी प्रगति, प्रौद्योगिकी, बैंकिंग, नवीकरणीय ऊर्जा और आत्मनिर्भर भारत जैसे नीतिगत उपायों से भारत वैश्विक आर्थिक क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत रखने में सफल रहा है। मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार और विदेशी निवेश के रिकार्ड प्रवाह ने भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए इंजन का कार्य किया है तो बढ़ती मुद्रास्फीति, घटता उपभोग, वित्तीय ऋण और जीडीपी वृद्धि पूर्वानुमानों में कमी ने बड़ी चिंताएं भी पैदा की हैं। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र का दर्जा दिलाने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए वर्तमान आर्थिक स्थितियों में वर्ष 2025 की रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। निवेश, उपभोग और ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले सुधार वर्ष 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार तैयार करेंगे। दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश होने के कारण वर्ष 2025 में भी घरेलू मांग में मजबूत निरंतरता बनी रहेगी। शहरी के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों की मांग में भी सकारात्मक रुझान दिखाई दे रहा है। जून 2024 में भारत की जीडीपी में निजी अंतिम उपभोग व्यय 57.9 प्रतिशत से बढ़कर 60.4 प्रतिशत हो गया। ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ता वस्तुओं की मांग 2.2 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 6.2 प्रतिशत हो गई।

सांख्यिकी मंत्रालय के अनुसार मासिक प्रति व्यक्ति व्यय में शहरी-ग्रामीण अंतर वित्त वर्ष 2011-12 में 84 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 71 प्रतिशत हो गया। यह 2023-24 में और घटकर 70 प्रतिशत हो गया। ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोग वृद्धि से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में असमानता कम हुई है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही यानी जुलाई-सितंबर में आम चुनावों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था में 5.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो पहली तिमाही की 6.7 प्रतिशत वृद्धि के मुकाबले धीमी है। तीसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था पुनः बढ़ने का अनुमान है। क्रिसिल की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत से सात प्रतिशत के बीच रह सकती है। इसका प्रमुख कारण यह है कि भारत के पास अभी कार्यशील युवाओं की सबसे बड़ी फौज है। 25 से 54 आयु वर्ग की महिलाओं के बीच श्रम बल भागीदारी दर में भी वृद्धि हुई है। हालांकि उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना और मेक इन इंडिया अभियान सहित अनेक सरकारी प्रोत्साहनों के बावजूद विनिर्माण क्षेत्र अपेक्षित लाभ लेने में सफल नहीं रहा है। इसके लिए विनिर्माण क्षेत्र की दीर्घकालिक प्रकृति पर अधिक ध्यान देते हुए संरचनात्मक सुधारों की दिशा में बढ़ना होगा। नीति निर्माताओं को निवेश में विविधता लाने पर ध्यान देना होगा, क्योंकि अभी तक निवेश स्टील, मशीनरी, केमिकल्स जैसे भारी उद्योगों में ही अधिक रहा है। विविध उद्योगों को बढ़ावा मिलने से घरेलू मांग में भी तेजी से वृद्धि होगी। नवाचार संस्कृति, अकादमिक-उद्योग साझेदारी और वैश्विक बाजार पहुंच का विस्तार करके भारत 2025 में स्वयं को वैश्विक नवाचार पावर हाउस में बदल सकता है। वर्ष 2024 में सेंसेक्स और निफ्टी के रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंचने से भारत का वित्तीय बाजार वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया था। यह तेजी 2025 में भी बनी रह सकती है, इसके लिए विदेशी मुद्रा बाजार में स्थायित्व पर काम करते हुए अपनी वस्तुओं के निर्यात को बढ़ाने पर अधिक काम करना पड़ेगा। साथ ही निवेशकों का भरोसा बनाए रखने के लिए राजकोषीय अनुशासन पर विशेष ध्यान देना होगा। वर्ष 2025 में सरकार की प्राथमिकता मौद्रिक नीति में मामूली ढील द्वारा मुद्रास्फीति के दबाव को घटाने की भी होगी। पूंजी निर्माण को प्रोत्साहन मिलने से निम्न एवं मध्य आय वर्ग की क्रय शक्ति को बढ़ावा मिलेगा। जन धन, आधार और मोबाइल के तहत खोले गए खातों में 2.32 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा रकम जमा है। वर्तमान में ई-लेनदेन बढ़कर 134 अरब रुपये हो गया है, जो सभी वैश्विक डिजिटल भुगतानों के 46 प्रतिशत के बराबर है। उम्मीद है 2025 की शुरुआत में ही भारतीय अर्थव्यवस्था जापान की अर्थव्यवस्था के आकार को पछाड़ कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी।

संघर्ष नहीं, आत्मविश्वास के साथ सकारात्मक कार्य करें

एन. रघुरामन

❍ इस अनौपचारिक रोजगार बाजार में कर्मचारी 15 वर्ष से अधिक आयु के भी हो सकते हैं। उन्हें 15,000 रुपए वेतन दिया जाता है। उनसे कहा जाता है कि "तुम काम करो या न करो, तुम्हें 15000 रुपए मिलेंगे।' इस आंकड़े को दो या अधिक बार दोहराने का कारण यह है कि इससे युवा मन में यह विश्वास पैदा हो जाता है कि यह पैसा उनका है। इसके अलावा, उन्हें बताया जाता है कि यदि वे काम के लिए कहीं जाते हैं तो उन्हें यात्रा भत्ता दिया जाएगा और कंपनी बिना किसी पूछताछ के उनके भोजन और आवास का खर्च वहन करेगी। कंपनी में कोई भी उनके प्रदर्शन के बारे में नहीं पूछेगा। उन्हें छोटे-छोटे काम दिए जाते रहेंगे और यदि वे अपने काम पूरे कर लेते हैं तो उन्हें स्थायी कर दिया जाएगा। अन्यथा उन्हें हटा दिया जाएगा, अलबत्ता यह अब तक कभी नहीं हुआ। झारखंड का रहने वाला मनोज मंडल (35) इसी तरह काम करता है।

वह बिहार के साहेबगंज जैसे ग्रामीण इलाकों में जाकर कम पढ़े-लिखे युवाओं की पहचान करता है, जिन्हें पैसों की जरूरत होती है, ताकि वे मोबाइल फोन, अच्छे कपड़े, जूते खरीद सकें और कुछ मनोरंजन का भी मजा ले सकें। इस तरह करण कुमार (19) और उसके 15 वर्षीय नाबालिग भाई को इस काम के लिए चुना गया। अच्छे कपड़ों के अलावा उन्हें कुछ हिंदी बोलने की ट्रेनिंग भी दी गई। कर्मचारी रोमांचित थे जबकि मालिक मनोज जानता था कि कर्मचारियों को इतना तैयार तो होना ही चाहिए कि यात्रा के दौरान सहयात्रियों को किसी तरह का शक न हो। फिर उन्हें आत्मरक्षा के बहाने अलग से हथियार चलाने की ट्रेनिंग दी जाती है और किसी के विरोध करने पर उनका इस्तेमाल करना सिखाया जाता है। इस उम्र में ये सारी गतिविधियां उन्हें आकर्षित करती हैं। सभी स्तरों की ट्रेनिंग के बाद उन्हें गोरखपुर और आस-पास के जिलों- जैसे संत कबीर नगर, महाराजगंज, कुशीनगर के रेलवे स्टेशनों पर ऑन-जॉब ट्रेनिंग के लिए ले जाया जाता है। वहां उन्हें व्यस्त बाजारों और रेलवे स्टेशनों से लोगों के मोबाइल फोन चुराने के लिए कहा जाता है।

चुराए गए फोन को एक गिरोह को सौंप दिया जाता है, जो उन्हें सीमा पार बांग्लादेश और नेपाल भेज देता है। इससे चोरी गए फोन को ट्रैक करने और गिरोह के पकड़े जाने की संभावना कम हो जाती है। इस आत्मविश्वासी गिरोह को पिछले शुक्रवार को गोरखपुर जीआरपी के एसपी संदीप कुमार मीना ने 200 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के बाद धर पकड़ा। जीआरपी ने उनसे 10 लाख रुपए के 44 एंड्रॉइड फोन, एक तमंचा और एक चाकू बरामद किया। अगर कोई युवाओं के इतनी छोटी उम्र में अपराध करने की वजह देखे तो वो पाएगा कि मुखिया (इस मामले में सरगना मनोज) हर बात को पूरे भरोसे के साथ बता रहा था। उसने शुरुआती महीनों में बिना किसी सवाल-जवाब के उन्हें पूरा वेतन दिया और नई जीवनशैली अपनाने का लालच दिया। और जब वे इसके आदी हो गए, तो वे वही करने लगे जो मनोज ने उन्हें करने को कहा! अब औपचारिक रोजगार बाजार को देखें, जिसमें हम-आप हैं। हमारे वेतन को सीटीसी (कॉस्ट टु द कम्पनी) कहा जाता है और उसमें भी एक वैरिएबल वेतन है.

आलेख

राम शिव मूर्ति यादव

जातिसूचक शब्दों की यथार्थता

❍ पुराने समय की बात है। एक बार धरती पर रहने वाले सभी प्राणियों ने मेल-जोल बढ़ाने के लिए एक आम सभा का आयोजन किया। इसमें हर प्राणी वर्ग के एक-एक प्रतिनिधि शामिल हुए पर मानव-वर्ग से कोई नहीं शामिल हुआ। बाद में पता चला कि मानव वर्ग किसी एक सर्वमान्य प्रतिनिधि को भेजने पर सहमत नहीं हो सका वरन उसकी माँग थी कि हर जाति और धर्म से कम से कम एक प्रतिनिधि इस सभा में शामिल होगा। नतीजन, मानव वर्ग से कोई भी प्रतिनिधि उक्त सभा में शामिल न हो सका और आज भी समाज में मानव अपना सर्वमान्य प्रतिनिधि न चुनकर जाति और धर्म के आधार पर ही प्रतिनिधि चुनता आ रहा है। यद्यपि लोकतंत्र सभी को समान अवसरों की गारण्टी देता है पर निहित तत्व अपने-अपने स्वार्थों के मद्देनजर विभिन्न औपचारिक एवं अनौपचारिक गुटों में बंटे नजर आते हैं।

जहाँ तक भारतीय समाज का सवाल है, यह विभिन्न जातियों, धर्मों, त्यौहारों, बोलियों, भाषाओं, पहनावों इत्यादि का देश है पर भारतीय समाज का आधार जाति व्यवस्था है। उत्तर वैदिक काल में विकसित वर्णाश्रम व्यवस्था भले ही कर्म आधारित रही हो पर कालान्तर में कर्म पर जन्म हावी हो गया और फिर जातियों व उपजातियों की एक अनन्त श्रृंखला बनती गई। चाहे रामायण काल में राम द्वारा शंबूक-वध का प्रकरण हो कि एक शूद्र को यज्ञ का अधिकार नहीं दिया जा सकता अथवा महाभारत काल में गुरु द्रोणाचार्य द्वारा एकलव्य को शूद्र होने के कारण शिक्षा देने से मना कर देना हो और कालान्तर में उसके हाथ का अंगूठा गुरुदक्षिणा के बहाने माँग लेना हो। दोनों घटनायें सिद्ध करती हैं कि उस समय तक वर्ण का आधार कर्म नहीं जन्म हो गया था। स्वयं गोस्वामी तुलसीदास ने रामायण काल के बारे में लिखा कि-"ढोल, गँवार, शूद्र, पशु, नारी। ये सब ताड़न के अधिकारी॥" ये पंक्तियाँ दर्शाती हैं कि समाज में जातिगत भेदभाव बढ़ गए थे अन्यथा शूद्रों हेतु ऐसी भाषा का इस्तेमाल तुलसीदास नहीं करते। वस्तुतः जाति भारतीय समाज के भीतर एक उत्पीड़नकारी व्यवस्था के रूप में उभरी और समय-समय पर ब्राह्मणवादी सत्ता जाति व्यवस्था को धर्म और पुराण के आधार पर न्यायोचित ठहराने का प्रयास करती रही और आवश्यकतानुसार जाति व्यवस्था को दार्शनिक आधार भी प्रदान करने की कोशिश की गयी।

राष्ट्रीय अनुसूचित आयोग के अध्यक्ष रूप में सूरजभान जी ने कहा था कि -"लोगों को जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल अपने नाम के साथ नहीं करना चाहिए।" जातिसूचक शब्दों को हटाने के लिए यह कवायद नयी नहीं थी॥ महात्मा गांधी ने भी दलितों को 'हरिजन' अर्थात 'ईश्वर के जन' कहकर उनकी प्रतिष्ठा लौटानी चाही थी पर कालान्तर में हरिजन शब्द स्वयं जातिसूचक बन गया। तमिलनाडु में भी इस प्रकार के प्रयास हो चुके हैं। यहाँ तक कि जयप्रकाश नारायण व राममनोहर लोहिया ने भी जाति तोड़ो एवं जातिसूचक शब्दों के बहिष्कार के द्वारा जातिविहीन समाज का आह्वान किया था। उस दौर में तमाम लोगों ने जिनमें बिहार के मुख्यमंत्री द्वय जगन्नाथ प्रसाद मिश्र और लालू प्रसाद यादव भी शामिल थे, ने अपने नाम के साथ जाति का उपयोग बन्द कर दिया था पर कालान्तर में उन्होंने पुनः इसका उपयोग आरम्भ कर दिया। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि ऐसे प्रतीकात्मक कदमों की व्यवहारिकता क्या है? महात्मा गाँधी और डॉ.अम्बेडकर दोनों ने ही जाति-व्यवस्था की कुरीतियों को समाप्त करने की बात कही। जहाँ डॉ. अम्बेडकर का मानना था कि-"अछूत या अस्पृश्यता की भावना जाति व्यवस्था की उपज है।अतः जाति व्यवस्था को समाप्त करके ही अछूतों का उद्धार किया जा सकता है।" वहीं महात्मा गाँधी के मत में-"अस्पृश्यता और इसकी बुराईयों को समाप्त करने के लिए जाति व्यवस्था को नष्ट कर देना उचित नही होगा। यह उतना ही गलत है, जितना शरीर पर किसी फोड़े-फुन्सी के उठ आने पर पूरे शरीर को नष्ट कर देना या घास-पात के कारण फसल को नष्ट कर देना। जाति व्यवस्था को समाप्त करने की बजाय उसकी बुराईयों मात्र का विनाश करना उचित होगा।" यही कारण था कि डॉ0 अम्बेडकर ने अन्ततः हिन्दू धर्म को छोड़ अपने अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा-"मैं हिन्दू धर्म में पैदा न होऊँ यह मेरे वश में नहीं था पर मैं एक हिन्दू के रूप में मृत्यु का वरण नहीं करना चाहता यह मेरे वश की बात है।" अमेरिका जैसे विकसित समाज ने भी काले लोगों के साथ किये गये रंगभेद की सामाजिक भर्त्सना करके, अमानुषिक अत्याचार के लिये माफी माँगी और उनके उत्थान के लिये विशेषाधिकार भी प्रदान किये, वहीं भारतीय समाज ऐसा नहीं कर पाया। वस्तुतः भारतीय समाज में मानवीय मानसिकता, लोकाचार, संस्कृति, भाषा, साहित्य सभी जगह जाति ने अपनी गहरी पैठ बना रखी है।

वास्तुशास्त्र

फेंगशुई कछुए से गोल्ड फिश के ये उपाय बरसाएंगे धन

❍ इसके अलावा आप ऐसा कछुआ भी घर में रख सकते हैं, जो अपने मुंह में सिक्के भरे रहता है। यह आपकी इनकम के बढ़ने का प्रतीक माना जाता है। इसको हमेशा घर की उत्तर पूर्व दिशा में रखें।इसी तरह से फेंगशुई में गोल्ड फिश भी बहुत खास है। यह समृद्धि और भरपूर मात्रा में आपके लिए भाग्य और धन लाती है। इसे घर में रखने से पैसा हमेशा आपके पास रहता है और आपसे खर्च नहीं होता। इसलिए आप गोल्डन फिश को घर के उत्तर में रखना चाहिए। इसके लिए फिश एक्वेरियम जरूरी नहीं, आप प्रतीकात्मक गोल्डन फिश भी ला सकते हैं।

फेंगशुई के अनुसार बहता जल धन-समृद्धि का प्रतीक है। इसलिए अपने घर के दक्षिण पूर्व कोने में आपको एक पानी का फाउंटेन रखना चाहिए। इस बात का ध्यान रखें कि घर के इस कोने में बाथरूम नहीं होना चाहिए। इस कोने में आप किचन रख सकते हैं। आपको बता दें कि वास्तु और फेंगशुई दोनों के हिसाब से कछुआ का मतलब है कि आपके पास पैसा अब से टिकने लगेगा। इसलिए इसे घर के नोर्थ साइड में भी रखना चाहिए। ऐसा कहा जाता है कि यह दिशा धन के देवता कुबेर की दिशा है। अगर आप अपने घर में शांति, समन्वय और पैसा चाहते हैं, उत्तर पूर्व कोने में आप एक मेटल की डिश में थोड़ा पानी भरकर एक कछुआ रखें। इस डिश में आप कुछ कलरफुल स्टोन्स भी डाल सकते हैं।

दुनियाभर के लोग नए साल की तैयारी में जुट चुके हैं. क्योंकि अब साल 2024 खत्म होने में महज सिर्फ चंद दिन ही बचे हैं. जिसके बाद साल 2025 का आगाज होगा. भारत समेत दुनियाभर के अधिकांश लोग न्यू ईयर का स्वागत जश्न मनाकर करना पसंद करते हैं. लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि दुनियाभर में न्यू ईयर सबसे पहले कहां पर मनाया जाता है और इसके पीछे की वजह क्या है. आज हम आपको इसके बारे में बताएंगे. पूरी दुनिया को अब न्यू ईयर के जश्न का इंतजार है. साल 2024 खत्म होने के साथ ही दुनियाभर के लोग साल 2025 का स्वागत करेंगे. दुनियाभर में नए साल का जश्न 31 दिसंबर की रात से ही शुरू हो जाता है. भारत समेत दुनिया के अलग-अलग कोने के लोग अपने मुताबिक न्यू ईयर का सेलिब्रेट करते हैं. इतना ही नहीं न्यू ईयर पर कई जगहों पर आतिशबाजी के साथ नए साल का स्वागत किया जाता है, तो कुछ लोग होम पार्टी करके नए साल का जश्न मनाता हैं. पूरी दुनिया में न्यू ईयर कई तरीकों से मनाया जाता है. भारत में 31 दिसंबर की रात 12 बजे बाद नए साल का आगमन होता है,

लेकिन कई देश ऐसे भी हैं, जहां भारत से पहले न्यू ईयर मनाया जाता है. बता दें कि नए साल का स्वागत सबसे पहले ओशिआनिया क्षेत्र के लोग करते हैं. इनमें टोंगा, समोआ और किरिबाटी नए साल का स्वागत करने वाले पहले देश हैं. टोंगा के प्रशांत द्वीप सबसे पहले नए साल का दिन उगता है, इसका मतलब है कि यहां सबसे पहले नए साल का जश्न मनाया जाता है. भारतीय समय के अनुसार 31 दिसंबर की शाम 3:30 बजे समोआ और क्रिसमस आइलैंड/किरीबैती में नया साल शुरू हो जाता है. एशियाई देशों में जापान और दक्षिण कोरिया में सबसे पहले नए साल का स्वागत किया जाता है. यहां 31 दिसंबर की रात 8:30 बजे नया साल शुरू हो जाता है. वहीं यूएस माइनर आउटलाइंग आइलैंड में सबसे आखिर में नया साल मनाया जाता है. भारतीय समय के अनुसार ये 1 जनवरी की शाम 5:35 मनाया जाता है. भारत समेत दुनिया के कई ऐसे देश हैं, जो न्यू ईयर यानी नए साल के स्वागत पर बड़ी पार्टियों का आयोजन करते हैं. जहां पर लोग रात के 12 बजे नए साल का स्वागत अपने अंदाज में करते हैं. इतना ही नहीं कई शहरों में न्यू के समय रात पर लोग आतिशबाजी करते भी हैं.

रोचक कहानी

उल्लू कैसे बना धन की देवी का वाहन

❒ उल्लू, जिसे मूर्खता का प्रतीक माना जाता है या कई बार यह शब्द मूर्ख व्यक्ति के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन असल में यह एक पंक्षी का नाम है, जो सभी पंक्षियों में बुद्धिमान निशाचारी प्राणी है। हिंदू धर्म में यह धन की देवी का वाहन भी है। आईए जानते हैं उल्लू कैसे बना धन की देवी का वाहन? आज भी अधिकतर लोग उल्लू नाम का मतलब अज्ञानता और मंद बुद्धि समझते है। जबकि यह धारणा बिलकुल गलत है। क्योंकि उल्लू सबसे बुद्धिमान निशाचारी प्राणी है। धार्मिक मान्यता है उल्लू को भूत और भविष्य का पहले से ही पता होता है। भारतीय संस्कृति में उल्लू को शुभता और धन सपंत्ति का प्रतीक माना जाता है। इसके अलावा कुछ तांत्रिकी प्रवृत्ति के लोग इसका इस्तेमाल तांत्रिक विद्या के लिए भी करते हैं। खासकर उल्लू को लेकर देश में अलग-अलग धारणाएं हैं। क्योंकि कई लोग अपने कार्य को सिद्ध करने के लिए किसी पर्व या त्योहार पर उल्लू की बलि भी चढ़ा देते हैं, जो कि धर्म शास्त्र के अनुसार एकदम गलत और घोर पाप का काम है। जो लोग ऐसा करते हैं उनके घर कभी माता लक्ष्मी का वास नहीं होता। उल्लू की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उसे रात के घोर अंधेरे में दिखाई देता है। जिस वक्त पूरी दुनिया सो रही होती है, उस वक्त उल्लू जग रहा होता है। यह अपनी गर्दन को 170 डीग्री तक घुमा लेता, अन्य कोई दूसरे पंक्षी में ये गुण नहीं हैं। धार्मिक मान्यता है कि उल्लू हू हू हू की आवाज में मंत्र उच्चारण करता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार एकबार सभी देवी-देवता प्राणी जगत की संरचना करने के लिए पृथ्वी पर आए हुए थे। जब यह दृश्य धरती पर रहने वाले पशु-पक्षियों ने देखा तो उन्होंने कहा कि आप सभी देवी-देवताओं को पैदल धरती विचरण करते देख हमें अच्छा नहीं लग रहा। आप पूरी पृथ्वी पर जहां जाना चाहते हैं हम आपको लेकर चलेंगे। हम सभी पर कृपा करें और अपने वाहन के रूप में हमको अपनाएं। जिससे हम सभी धन्य हो जाएंगे। मान्यता है कि पशु-पक्षियों की बात को मानकर सभी देवी-देवताओं ने उनको अपने वाहन के रूप में स्वीकार लिया। लेकिन जब माता लक्ष्मी की बारी आई तो वह विवधान में पड़ गईं कि किसको अपना वाहन चुना जाए। इसके बाद सभी पशु-पक्षियों में धन के देवी की सवारी बनने की जिद होने लगी। हर कोई उनका वाहन बनना चाहता था। यह देखकर माता लक्ष्मी चिंता में पड़ गईं। जैसे-तैसे लक्ष्मी जी ने उनको शांत कराया। इसके बाद माता लक्ष्मी ने उनको बड़े सोच-विचार के साथ कहा कि हर साल मैं अमावस्या के दिन धरती पर आती हूं। उस दिन आप सभी में से किसी एक को अपने वाहन के रूप में चुनुंगी। मान्यता है कि कार्तिम अमावस्या के दिन सभी पशु-पक्षी माता को देखने के लिए राह देखने लगे। लेकिन माता लक्ष्मी रात्रि को पृथ्वी पर आईं, जिनको केवल उल्लू ही देख पाया। वह तीव्र गति से माता के पास गया और वाहन बनने की प्रर्थना करने लगा। जब अपने चारों ओर देखा तो उन्हें कोई दिखाई नहीं दिया और उल्लू को अपने वाहन के रूप में स्वीकार कर लिया, तभी से मान्यता है कि धन की देवी को उलूक वाहिन के नाम से भी जाना जाता है।

व्यंग्य

हनुमान मुक्त

आईना

❒ कोरोना अपना मन बहलाने को इधर उधर भटक रहा है। बाहर घूम रहा है। कोई है जो उसके साथ खेल खेलने को राजी हो. प्रेमी जन लॉक डाउन के चलते अंदर भटक रहे हैं ।सोशल मीडिया ही सहारा रह गया है। पहले तो छुप छुप कर मिल लिया करते थे लेकिन अब मिलना तो दूर छुप छुप कर बात करना भी दूभर हो रहा है.कोरोना काल जैसे जैसे बढ़ता जा रहा है । प्रेमी प्रेमिकाओं के दिल बैठते जा रहे हैं. मन दुखी हो रहा है.आंखों के सामने अंधेरा छा रहा है. इस कोरोना ने प्रेमी प्रेमिकाओं को दुखी कर दिया है. कहीं कोई उपाय दिखाई नहीं दे रहा है.

वही साहित्यकार खुलकर साहित्य सर्जन कर रहे हैं. बरसों का कोटा पूरा कर रहे हैं। उनके लिए यह लोकडाउन साहित्य सृजन का कालखंड बनकर आ गया है. यह ऋतु जैसे साहित्य की बसंत ऋतु बन गई है. साहित्य की मैगजीन और अखबार भरे पड़े हैं। साहित्यकारों की डायरियां चुक गई हैं ।हजारों पन्ने काले कर दिए हैं. कोरोना उनकी नायिका बनकर हर जगह इठलाती घूम रही है. कोरोना मदमाती युवती की तरह अपना सौंदर्य बिखेरती जा रही है। रंग बदल रही है। उसने शहरों को भी रंग बिरंगा कर दिया है। कोई लाल ,कोई पीला, कोई हरा कभी इधर, कभी उधर, कभी यहां, कभी वहां। वह कब कहां अपने सौंदर्य की खुशबू बिखेर दे। किसी को नहीं पता?सब लोग उसकी मनमोहिनी अदाओं में उलझे हुए हैं. टेलीस्कोप लगा लगा कर उसको देखने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन वह है कि पूरे विश्व को इसने अपने मायाजाल में उलझा रखा है। सब उलझे हुए हैं ।कोई चीज याद नहीं। सिर्फ और सिर्फ कोरोना। यह कहां है ?किसके पास है? कैसे इससे बचा जाए? सब इसी उलझन में हैं. पूरा विश्व एक तरह से थम सा गया है. यह समय बड़ा चौंकाने वाला है।

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

❑ दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्पररी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस, पी.ओ.डी.

मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सांस (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप ,चित्रकहरीतकी, वासावलेह , स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल ,तुलसी शृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप ,एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा ,श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, बुधवार, 1 जनवरी 2025

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

गुरुकुल पब्लिक स्कूल में स्नेह सम्मेलन संपन्न

चंद्रपुर.

गुरुकुल पब्लिक स्कूल में वार्षिक स्नेह सम्मेलन का कार्यक्रम आयोजित हुआ. उद्घाटन शाला संचालक व प्राचार्य राजेंद्र सोनवाने के हस्ते एवं प्रमुख अतिथि के रूप मे सौ, नेहा राजेन्द्र सोंनवाने उपस्थिति में हुआ सभी विद्यार्थियों के लिए फूल डेकोरेशन, विभिन्न खेल, क्रिकेट, कबड्डी, रंगोली व शारिरिक उत्साहवर्धक खेल भी रखे गए, जिसमें बच्चों नेउत्साहपूर्वक भाग लिया. विशेष रूप से सभी कार्यक्रम पालकों की ओर से सराहनिय रहे सफलतार्थ गुरुकुल पब्लिक स्कूल के कर्मचारी देवांगना ठाकुर, सरिता कटरे, प्रेमलता कावडे, प्रविण एच. तुरकर, रमेश ठाकुर, प्रमोद बीसेन भारती लोहाडे वर्षा रहागडाले, स्वाती गुडेया प्राची चौरे, ज्योती रक्तसीगे, मीनाक्षी पटले, प्रियंका मडावी, रुहाँजनीउके, कविता पागोंटे, नाजुल बागड़े, कावेरी धाटकर, प्रीति भेलावे पिंकी चुटे, समिता मेश्राम, लता भ्रगलासतव, आरती शेंदरे, रीता गायधने, अंजू एस. चुटे खेमू पाथोडे, रंजना किरमोरे, दुर्गा सवालाखे, श्रीमती पटले, विकास टेम्भरे ने प्रयास किया. संचालन शिक्षिका दुर्गा बाविस्कर, पल्लवी बीसेन, ने किया. आभार प्रमोद बीसेन ने माना.

‘सौदा’ पहले से पक्का, दिखाने के लिए टेंडर

> कोयला माफिया के सामूहिक खेल में सभी मालामाल.
> कर्नाटक पॉवर कॉरपोरेशन का महाराष्ट्र में खेला.
> टेंडर में जोड़ीं ऐसी शर्तें कि ‘अपनों’ का भला हो.

चंद्रपुर, सुनील तायडे

कोयला खदान से बाहर निकलते ही कोयले को ‘काला हीरा’ बना दिया जाता है। कई स्तरों पर इसका भरपूर दोहन होता है। चोर-चोर मौसेर भाई की तर्ज पर माफिया का घेरा इसके इर्द-गिर्द कसा जाता है। फिर शुरू होता है, कोयला माफिया का सामूहिक खेल. क्योंकि असली उपभोक्ता तक पहुंचते-पहुंचते इसकी अपनी कोई ताकत ही नहीं बचती। इस कोयला माफिया के सामूहिक खेल के दौरान ललचाई नजरों से सरकार भी बोटी नोंचने तैयार रहती है और उसके पास पहला हथियार होता है टेंडर। टेंडर में खेला करने वाले अधिकारी होते हैं, जो ‘ऊपरी’ ताकतों के दबाव में होते हैं। इसका एक बड़ा प्रमाण सामने आया है।

टेंडर में ‘मनोवांछित’ शर्तें.

मामला जुड़ा है कर्नाटक पॉवर कॉरपोरेशन से, कर्नाटक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केपीसीएल) कर्नाटक सरकार के स्वामित्व वाली एक कंपनी है और यह कर्नाटक राज्य

में विद्युत उत्पादन की सेवा देती है। इसने अपनी इकाइयों के लिए कोयला आपूर्ति का वॉश कोल टेंडर निकाला। यह टेंडर ठीक एक माह पहले 25 नवंबर 2024 को निकाला गया। इसमें सुनियोजित ढंग से कुछ ऐसी शर्तें जोड़ीं गईं कि मात्र दो ही आवेदन आ पाए। या इसे कह सकते हैं कि जान-बूझकर ऐसा खेल खेला गया कि इच्छित कंपनियां ही इस टेंडर के योग्य घोषित हो सके।

यह तो हैं हाथी के दिखाने वाले दांत.

तो अहम सवाल यह है कि हाथी के दिखाने वाले दांत की क्या जरूरत। सीधे उन्हें ही टेंडर जारी कर दिया, जिनके लिए टेंडर का फर्जी खेल खेला गया। मगर, ऐसा इसलिए करना पड़ा, क्योंकि आरोपों के समय कागजातों को आगे करके ‘मोटी चमड़ी’ को बचाया जा सके। यही वह ‘मोटी चमड़ी’ होती है, जो सब कुछ पचा लेती है। साल-दर-साल के लाखों-करोड़ों दशकों में अरबों-खरबों में बदल जाते हैं, जिनका रूतबा चुंधियाती जिंदगी में दिखता है।

सबका नजराना समय पर पहुंचाया जाता है.

कोयले की काली कमाई में सक्रिय ‘गैंग’ का नीचे से लेकर ऊपर तक अधिकारियों, नेताओं एवं अन्य प्रभावित वर्ग के लोगों के साथ सेटिंग होती है और इस अवैध काले कारोबार के बदले इन धंधेबाजों द्वारा हर महीने सबका नजराना समय पर पहुंचाया जाता है। यही वजह है कि कभी-कभार अवैध कोयला उत्खनन से बने गड्ढों को पाटकर या अवैध कोयले से भरे एक-दो वाहन पकड़कर कार्यवाही की खानापूर्ति कर दी जाती है। कोल वॉशरीज कोयले की ऐसी धुलाई करती हैं कि कोयला ही नहीं बचता, बचता है तो पत्थर, उसे भी मिलावटखोर नहीं छोड़ते हैं।

खुद तेजी से विस्तार किया है केपीसीएल ने.

कर्नाटक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने 1970 में अपनी यात्रा शुरू की। 746 मेगावाट (1970) की स्थापित क्षमता के साथ, इसने अपनी क्षमता को काफी विस्तारित किया है। केपीसीएल के पास राज्य भर में 34 बांध (मुख्य, पिकअप और सैडल बांध सहित) और 24 बिजली स्टेशन हैं, जिनकी बिजली उत्पादन क्षमता 0.35 मेगावाट से 1035 मेगावाट तक है। केपीसीएल की कुल स्थापित क्षमता 8846.305 मेगावाट है। कॉर्पोरेशन का रायचूर में अपना थर्मल पावर स्टेशन है और बेल्लारी में 500 मेगावाट स्टेशन की दो और थर्मल परियोजनाएं हैं।

महाराष्ट्र की कोल वॉशरीज तक पहुंचीं जड़ें.

इस अबाध विस्तार में छिपे हैं कई गहरे राज, जिनकी जड़ें गहरे तक अन्य प्रदेशों के कोयला खदानों और कोल वॉशरीज से जुड़ीं हैं। महाराष्ट्र में चंद्रपुर के वणी इलाके में पैवस्त कोल वॉशरीज तक ये जड़ें पहुंच चुकी हैं। एक टेंडर से केपीएसएल के इरादे साफ हो रहे हैं। जाहिर है खेल में कोई मोहरे दूर-दूर तक सेट किए गए होंगे। परतें खुलेंगी, तो कोयले की काली कमाई के कई राजदारों के चेहरे बेनकाब होंगे। इसमें कई सफेदपोशों के भी नाम सामने आएंगे।

लोहारा में बाघ के नाखूनों के साथ दो गिरफ्तार

चंद्रपुर. वन विभाग ने सोमवार को चंद्रपुर-मुल रोड पर स्थित लोहारा में बाघ के चार नाखूनों के साथ दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। चंद्रपुर डिवीजन के वन अधिकारियों को सूचना मिली कि दो व्यक्ति सक्रिय रूप से बाघ के पंजों के लिए खरीदारों की तलाश कर रहे हैं। संदिग्धों को पकड़ने के लिए प्रभागीय वन अधिकारी प्रशांत खाड़े के मार्गदर्शन में त्वरित अभियान चलाया गया। सहायक वन संरक्षक निकिता चावरे और वन रेंज अधिकारी जी.आर. नायग़ामकर के नेतृत्व में वनकर्मियों की टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार किया और अभियान के दौरान बाघ के चार नाखून जब्त किए।

इस घटना ने क्षेत्र में अवैध वन्यजीव व्यापार के बारे में गंभीर चिंताएँ पैदा कर दी हैं। अधिकारी अब नाखूनों की उत्पत्ति की जाँच कर रहे हैं, जिसमें यह भी शामिल है कि उन्हें अवैध शिकार या अन्य अवैध तरीकों से प्राप्त किया गया था या नहीं। वे यह निर्धारित करने के लिए नाखूनों की प्रामाणिकता की भी पुष्टि कर रहे हैं कि वे असली हैं या नकली।

यह पता लगाने के लिए भी जांच चल रही है कि कथित शिकार कब हुआ और शिकार किए गए बाघ के शव को कहां ठिकाने लगाया गया। वन अधिकारी इस बात की भी संभावना तलाश रहे हैं कि आरोपी अन्य वन्यजीव अपराधों में शामिल तो नहीं है। जांच आगे बढ़ने पर और जानकारी मिलने की उम्मीद है। अधिकारियों ने गिरफ्तार आरोपियों के नाम नहीं बताए हैं।

प्रियदर्शनी कन्या विद्यालय में वार्षिक स्नेहमिलन समारोह

चंद्रपुर. स्कूल का वार्षिक पुनर्मिलन एक अविस्मरणीय क्षण है , जहाँ छात्र अपनी कला , कौशल और खेल के प्रति प्रेम का प्रदर्शन करते हैं । स्कूल न केवल शिक्षा का मंदिर है बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास की नींव भी है। विधायक किशोर जोरग़ेवार ने जोर देकर कहा कि आज के कार्यक्रम से छात्रों की कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास स्पष्ट है और स्कूल वार्षिक स्नेहमिलन कार्यक्रम छात्रों के लिए उत्साह, प्रेरणा और अवसरों का एक मंच है।

समता शिक्षण विकास महामंडल , चंद्रपुर द्वारा संचालित प्रियदर्शिनी कन्या विद्यालय में वार्षिक स्नेहमिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया । वह इसी कार्यक्रम में बोल रहे थे. इस अवसर पर समता शिक्षण विकास मंडल की अध्यक्ष तारा पोटदुखे, सामाजिक कार्यकर्ता नंदू अग्रवाल , प्रभाकर झुनाघटे , मंगला धोपटे , रजनी अल्लूरवार , मेघा कामडी, अर्चना झुनाघटे, ज्ञानेश्वर सातोने , प्राचार्य

वैशाली भालमे , सलीम शेख , नकुल वासमवार आदि उपस्थित थे।

इस समय आगे की बात करते हुए जोरग़ेवार ने कहा कि, उनकी भूमिका शिक्षा के क्षेत्र में काम करने की रही है. हम इस दिशा में काम कर रहे हैं कि इस स्थिति से किसी भी छात्र को नुकसान नहीं होगा । जब हमें एहसास हुआ कि कई छात्रों के पास स्कूल आने के साधन नहीं हैं, तो हमने लड़कियों को दो हजार साइकिलें वितरित कीं। इसलिए मेरे जन्मदिन पर 500 विद्यार्थियों को 6-6 पुस्तिकाएँ वितरित की गईं । इस दौरान उन्होंने कहा कि वे छात्रों के लिए ऐसी शैक्षणिक गतिविधियों को क्रियान्वित करते रहेंगे।

स्कूल में दी जाने वाली शिक्षा, मूल्य और संस्कृति छात्रों को उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार करती है। शिक्षकों के मार्गदर्शन और माता-पिता के सहयोग से यहां के बच्चे शिक्षा, खेल , कला और विज्ञान सभी क्षेत्रों में सफल हो रहे हैं । विद्यार्थियों को अपने सपने बड़े रखने चाहिए और उन्हें पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। शिक्षा , अनुशासन और ईमानदारी तीन चीजें हैं जो जीवन भर सफलता दिलाएंगी। इस दौरान वे बोल रहे थे कि एक जनप्रतिनिधि होने के नाते वे विद्यालय की प्रगति और विद्यार्थियों के विकास के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक, अभिभावक और छात्र उपस्थित थे।

नियमों का उल्लंघन कर ले-आउट भूखंडों की बिक्री

> ग्राहक को गुमराह कर बिक्री

चंद्रपुर. राजुरा तहसील चंद्रपुर जिले में एक विकसित तहसील माना जाता है. इस क्षेत्र में कोयला खदानें, बड़े स्कूल, कॉलेज, आधुनिक बाजार और सभी बुनियादी सुविधाओं से सुसज्जित तहसील है. इसलिए, गांव के नागरिक इस तहसील की ओर आ रहे है. तहसील में अपना एक सुंदर मकान हो इस आशा से न्यूनतम किंमत पर प्लाट खरेदी कर रहे है. वर्तमान में राजुरा शहर के पूर्वी भाग में बामनवाड़ा क्षेत्र में भूखंड खरीदने को सबसे अधिक प्राथमिकता दी जा रही है, क्योंकि यह क्षेत्र प्रदूषण मुक्त है और सभी बुनियादी सुविधाएं से नजदीक में उपलब्ध हैं. हालाँकि, मुनाफाखोर लेआउट मालिक इसका फायदे का लाभ उठा रहे हैं.

बामनवाड़ा गांव क्षेत्र में लेआउट मालिक खुलेआम नियमों का उल्लंघन कर भूखंड बेच रहे है. फिलहाल चंद्रपुर के निवासी लेआउट मालिकों ने बामनवाडा से जानेवाले हायवे परिसर में लेआऊट डाले है. यह लेआऊट पहले ग्रीन बेल्ट में होने की चर्चा है. यह संपूर्ण ले आऊट मान्सून में पूर्णत: पाणी में आता है, इन ले आऊट को शासन की अनुमती नही है, यहां के प्लाट एजंटों के माध्यम से बेचे जा रहे है, प्लाट में नियमानुसार जगह नही छोडी गई है. इसके बावजूद यहां लेआऊट मालिक ग्राहकों के साथ धोखाधडी करने की चर्चा है. संबंधित एजंट घरघर जाकर ग्राहकों को झुटी जानकारी के आधार पर टोकण तरिके से बुकिंग करने की चर्चा है.

राजुरा शहर के महाभागों ने पूर्व बामनवाड़ा क्षेत्र के गरीब आदिवासी किसानों को गुमराह करके अपार धन कमाया और गरीब आदिवासी किसानों को कुछ भी नहीं मिला. अब चंद्रपुर में रहने वाले लेआउट मालिक इसका फायदा उठाते नजर आ रहे हैं. इन लेआउट मालिकों ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में खुलेआम लेआउट बेचना शुरू कर दिया है. अतः एक बार फिरसे प्लॉट धारक के साथ धोखाधड़ी होने के संकेत मिल रहे है. इसके अलावा, उस लेआउट के सामने से एक राजमार्ग गुजरता है. नियम है कि भूखंड उस राजमार्ग के 500 मीटर के भीतर ही बेचे जाने चाहिए, लेकिन इस नियम का भी लेआउट मालिकों द्वारा उल्लंघन किया गया है.

ऐतिहासिक सराय बिल्डिंग की विरासत बचाने की जद्दोजहद

चंद्रपुर. बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच ने पुरातत्व विभाग को निर्देश दिया है कि वह स्पष्ट करे कि चंद्रपुर में सौ साल पुरानी ऐतिहासिक सराय बिल्डिंग को संरक्षित स्मारक घोषित किया जाए या नहीं। कोर्ट ने पुरातत्व विभाग के निदेशक को 15 जनवरी तक इस मामले में हलफनामा दाखिल करने को कहा है।

यह निर्देश भारतीय राष्ट्रीय कला एवं सांस्कृतिक विरासत न्यास, चंद्रपुर चैप्टर की ओर से अशोक सिंह और मधुसूदन रूंगटा द्वारा दायर जनहित याचिका के जवाब में आया है। अधिवक्ता अमोल मार्डीकर द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए याचिकाकर्ताओं ने 1921 में निर्मित भवन के संरक्षण की मांग की है। न्यायमूर्ति नितिन साम्ब्रे और वृषाली जोशी की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की।

विभागों के बीच परस्पर विरोधी विचारों के कारण इमारत के संरक्षण

में देरी हुई है। जबकि राज्य पर्यटन विकास विभाग ने 2017 के एक पत्र में इमारत को विरासत सूची में शामिल करने से इनकार कर दिया था, राज्य विरासत प्राधिकरण ने कहा कि इमारत को विरासत स्थल के रूप में संरक्षित किया जा सकता है।

चंद्रपुर नगर निगम ने एकीकृत शहरी विकास कार्यक्रम के तहत पुरानी सराय बिल्डिंग को ध्वस्त करके उसके 6,349 वर्ग फीट क्षेत्र पर एक व्यावसायिक परिसर बनाने की योजना बनाई है। मूल रूप से महाकाली मंदिर में आने वाले भक्तों के ठहरने के लिए बनाया गया यह भवन, जिसे बाद में 1988 में रामनगर पुलिस स्टेशन के रूप में पुनर्निर्मित किया गया, अब खाली खंडहर बना पड़ा है।

नगर निगम की ओर से अधिवक्ता महेश धात्रक ने दलील दी कि यह इमारत असुरक्षित है और इसे खाली करने की जरूरत है। हालांकि, याचिकाकर्ताओं ने इसके ध्वस्तीकरण का कड़ा विरोध किया है और इस फैसले को अनुचित बताया है तथा इसके संरक्षण का आग्रह किया है।

एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में पुरातत्व विभाग के सहायक निदेशक ने 17 दिसंबर 2024 को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसमें पुरानी सराय बिल्डिंग को संरक्षित स्मारक घोषित करने की संस्तुति की गई। इस प्रस्ताव पर विचार करते हुए हाईकोर्ट ने विभाग को हलफनामे के माध्यम से अपना रुख स्पष्ट करने का निर्देश दिया। चंद्रपुर की सांस्कृतिक और स्थापत्य विरासत का हिस्सा इस इमारत का भाग्य अदालत के फैसले पर निर्भर करता है। विरासत के शौकीनों और स्थानीय हितधारकों ने सौ साल पुरानी इस इमारत की सुरक्षा की मांग का समर्थन किया है।

कई घटनाओं के लिए याद रहेगा 2024

> वर्ष 2024 में लोगों ने उपलब्धि के साथ अपराध की स्याह तस्वीर देखी
>राजनीतिक भूचाल और फेरबदल के रहे नज़ारे

चंद्रपुर.

वर्ष 2024 का आज अंत हुआ और नये साल 2025 का शुभारंभ हुआ है इसको लेकर सभी हर्षोल्लासित है परंतु वर्ष 2024 को कई घटनाओं के लिए हमेशा याद किया जाएगा. राजनीतिक भूचाल के साथ जमीनी भूकंप सहने के साथ चंद्रपुर जिले की जनता ने वर्ष 2024 में अपराध की स्याह तस्वीर देखी. जिसमें कुख्यात गैगस्टर हाजी सरवर की हत्या के साथ साथ कई गोलीबारी तो कई निर्मम हत्या की घटनाएं हुई.

कई राजनैतिक त्योहार और बने विश्व रिकॉर्ड.

चुनावी वर्ष में भाजपा ने जिले में अपनी ताकत दिखाई. भले ही लोकसभा में भाजपा को हार मिली परंतु विधानसभा चुनाव में छह में से पांच सीटें जीत कर भाजपा ने भरपाई कर ली. इस वर्ष कई बडे बडे इवेंट हुए जिसमें जाणता राजा महानाटक का मंचन, चंद्रपुर से सागौन का राममंदिर के लिए रवानगी, रामलला मूर्ति प्राणप्रतिष्ठा के अवसर पर चंद्रपुर में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम, चांदा क्लब ग्राऊंड पर 33 हजार 258 दीपों से सियावर रामचंद्र की जय अंकित करने का गिनीज बुक आफ रिकार्ड का प्रमाणपत्र, 65724 पौधों से भारतमाता अंकित किए जाने का गिनीज बुक आफ रिकार्ड, ताडोबा महोत्सव, सुप्रसिध्द अभिनेत्री हेमा मालिनी, कैलाश खैर, प्रसिध्द कवि कुमार विश्वास के कार्यक्रम, विश्व सुंदरियों का आगमन, 7 हजार किलो की खिडकी का रिकार्ड, राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता, अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, कुश्ती प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर के खिलाडी शामिल हुए, 75 हजार करोड का एमओयू, बॉटनिकल गार्डन का शुभारंभ ऐसी कई उपलब्धियां रही जिससे चंद्रपुर का नाम विश्व तक पहुंचा.

साल में रहा हत्याओं का सिलसिला.

वही अनेक गंभीर अपराधों के लिए भी यह वर्ष याद रहेगा. जिसमें कुख्यात गैंगस्टर हाजी सरवर की दिनदहाडे गोलियों से भूनकर हत्या की घटना, शहर के बीचोबीच रघुवंशी काम्प्लेक्स में गोलीबारी की घटना, राजुरा में सरेआम गोलियों से भूनकर एक युवक की हत्या, देसी कट्टे, पिस्तोल, जिंदा कारतूस का मिलना, अबकारी विभाग के पुलिस अधीक्षक को एक बीयर शॉपी की मंजूरी के लिए एक लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तारी, चंद्रपुर के एक नामी होटल में पत्नियों की अदलाबदली का घिनौना मामला चर्चा में रहा. साल के अंत में एक निलंबित पुलिस कर्मी द्वारा एकतरफा प्रेमप्रकरण में एक महिला व्यवसायी की निर्मम हत्या, मूल में एक युवक हत्या की घटना प्रमुख रही.

इसी तरह इलेक्ट्रोरल बांड के मामले में चंद्रपुर के उद्योगों द्वारा 314 करोड की राशि राजनीतिक दलों को चंदा दिए जाने का खुलासा हुआ था.किसानों को आपदाओं के साथ वन्यप्राणियों ने अपना शिकार बनाया. फसलों की बर्बादी ने किसानों को खून के आंसू रोने को मजबूर किया. साल के अंत में चंद्रपुर की जनता ने भूकंप भी महसूस किया. चंद्रपुर जिला मध्यवर्ती बैंक की भरती विवादों में रही. महिला अत्याचारों के खिलाफ महिलाओं ने विशाल जूलूस निकालकर रोष जताया. शिक्षकों द्वारा नाबालिग लडकियों पर अत्याचार की घटनाओं, ट्यूशन टीचर द्वारा नाबालिग लडकी को कुंआरी मां बनाने की घटना शर्म से सिर झुकाने के लिए रही.ऐसी कई खट्टी मीठी यादों के साथ वर्ष 2024 विदा हुआ है.

महेश बाबू की फिल्म खास जगह होगी शूट

ऑस्कर से है कनेक्शन

☐ एस.एस राजामौली इस समय अपनी अगली बड़ी फिल्म पर काम कर रहे हैं. एसएसएमबी29 का टाइटल अबतक फाइनल नहीं किया गया है. महेश बाबू की 1000 करोड़ी फिल्म इस वक्त प्री-प्रोडक्शन स्टेज पर है. जल्द ही पिक्चर की शूटिंग शुरू होगी. इसी बीच शूटिंग लोकेशंस को फाइनल कर लिया गया है. इस बिग बजट फिल्म के कुछ सीन विशाखापट्टनम के बोर्रा गुफाओं में शूट होंगे. इस खास जगह का ऑस्कर से खास कनेक्शन है. महेश बाबू और राजामौली की इस 1000 करोड़ी फिल्म को इंडियन सिनेमा की सबसे महंगी फिल्म कहा जा रहा है. अब इस पिक्चर को लेकर 123 तेलुगु डॉट कॉम पर एक रिपोर्ट छपी. इस जंगल एडवेंचर फिल्म की शूटिंग के लिए राजामौली 28 दिसंबर (शनिवार) को अपनी टीम के साथ लोकेशन देखने के पहुंचे थे. रिपोर्ट के मुताबिक, राजामौली विशाखापट्टनम के पास बोर्रा गुफाओं में ही एसएसएमबी29 के कुछ सीन्स की शूटिंग करने के बारे में सोच रहे हैं. दरअसल यह एक टूरिस्ट स्पॉट है. यही वजह है कि वो 28 दिसंबर को फिल्म की शूटिंग लोकेशन ढूंढते हुए बोर्रा पहुंच गए थे. इस फिल्म का इसलिए ऑस्कर से कनेक्शन बताया जा रहा है, क्योंकि राजामौली ने पिछली फिल्म आरआरआर का एक हिस्सा इसी जगह पर शूट किया था. आरआरआर में जूनियर एनटीआर और राम चरण ने खूब धमाल मचाया था. फिल्म ग्लोबल लेवल पर छा गई. साथ ही 2023 में इसके गाने 'नाटू-नाटू' को ऑस्कर से नवाजा गया था. उस फिल्म ने जैसा कमाल दिखाया, राजामौली का अब एक स्पेशल कनेक्ट विशाखापट्टनम के पास बोर्रा गुफाओं से भी होगा. ऐसे में अपनी अगली फिल्म के कुछ सीन्स भी उसी जगह पर शूट करने एक अच्छा ऑप्शन है. दरअसल राजामौली की फिल्म को बड़े लेवल पर बनाया जा रहा है. यही वजह है कि पिक्चर के लिए अलग-अलग लोकेशन तलाशी जा रही है. कुछ महीने पहले राजामौली ने केन्या के अंबोसेली नेशनल पार्क से तस्वीर शेयर की थी. यहां वो लोकेशन की तलाश करते दिखे थे. उस वक्त भी उन्होंने हिंट दिया था एसएसएमबी 29 का एक बड़ा हिस्सा अफ्रीका में शूट होगा. फिल्म साल 2025 गर्मियों में फ्लोर पर आने वाली है. वहीं साल 2027 में इसे रिलीज करने की प्लानिंग है. हाल ही में पिंकविला की एक रिपोर्ट से पता लगा था कि फिल्म में प्रियंका चोपड़ा की भी एंट्री हो गई है. हालांकि, मेकर्स की तरफ से अबतक कुछ भी कंफर्म नहीं किया बताया गया है. कई स्टार्स का नाम फिल्म से जुड़ रहा है.

भारत खेलेगा दो बड़े टूर्नामेंट

नई दिल्ली.

भारतीय क्रिकेट टीम के लिए साल 2024 कुछ खास नहीं बीता है. भले ही टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड चैंपियन बनी, लेकिन टीम को कई बार शर्मनाक हार भी झेलनी पड़ी हैं. अब अगले साल टीम इंडिया पुरानी यादों को भुलाकर एक नया इतिहास लिखना चाहेगी. 2025 में टीम इंडिया को दो बड़े टूर्नामेंट भी खेलने हैं. 2025 की शुरुआत टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टेस्ट से करेगी. इसके बाद भारत को इंग्लैंड से 3 वनडे और पांच टी20 मैच खेलने हैं. फिर फरवरी में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी भी खेली जानी है. भारत को पिछली चैंपियन ट्रॉफी के फाइनल में पाकिस्तान ने हराया था. ऐसे में इस बार टीम इंडिया यह टूर्नामेंट जरूर जीतना चाहेगी. 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के बाद इंडियन प्रीमियर लीग का 18वां सीजन खेला जाएगा.

आईपीएल 2025 की शुरुआत मार्च में होगी, वहीं इसका फाइनल मई में खेला जाएगा. आईपीएल के तुरंत बाद टीम इंडिया इंग्लैंड जाएगी. इंग्लैंड में भारतीय टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी. भारत का इंग्लैंड दौरा जून से अगस्त तक चलेगा.इसके बाद सितंबर में एशिया कप का आयोजन होगा. 2025 एशिया कप टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा, जो भारत में होगा. फिर अक्टूबर में टीम इंडिया वेस्टइंडीज से भिड़ेगी. इसके बाद अक्टूबर से नवंबर के बीच भारत को ऑस्ट्रेलिया से 3 वनडे और 5 टी20 खेलने हैं.

नवंबर में ही दक्षिण अफ्रीका की टीम भारत आएगी. भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच नवंबर से दिसंबर के बीच दो टेस्ट, 3 वनडे और पांच टी20 मैच खेले जाएंगे. कुल मिलाकर 2025 में टीम इंडिया काफी बिजी रहने वाली है. 2025 में कब किससे भिड़ेगी टीम इंडिया, जनवरी में- ऑस्ट्रेलिया से एक टेस्ट (पांचवां), जनवरी-फरवरी में इंग्लैंड से घर पर 3 वनडे और पांच टी20 इंटरनेशनल, फरवरी-मार्च में- 2025 चैंपियंस ट्रॉफी, मार्च से मई में- आईपीएल 2025, जून से अगस्त में- इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैच, अगस्त में- बांग्लादेश में तीन वनडे और तीन टी20 इंटरनेशनल, सितंबर में- घर पर 2025 एशिया कप टी20 फॉर्मेट में अक्टूबर में- घर पर वेस्टइंडीज से दो टेस्ट, अक्टूबर और नवंबर में- ऑस्ट्रेलिया में तीन वनडे और पांच टी20 इंटरनेशनल नवंबर-दिसंबर में- घर पर दक्षिण अफ्रीका से 2 टेस्ट, 3 वनडे और 5 टी20 इंटरनेशनल.

काम्या ने सात महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियां की फतह

मुंबई. भारत की 17 वर्षीय किशोरी ने इतिहास रच दिया है। काम्या कार्तिकेयन सात महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियां पर चढ़ने वाली सबसे कम उम्र की महिला बन गई हैं। भारतीय नौसेना के अनुसार, काम्या ने अपने पिता कमांडर एस कार्तिकेयन के साथ 24 दिसंबर को चिली के समयानुसार शाम 5:20 बजे अंटार्कटिका में माउंट विंसन की चोटी पर पहुंचकर प्रतिष्ठित सेवन समिट चैलेंज पूरा किया। मुंबई के नेवी चिल्ड्रन स्कूल में 12वीं की छात्रा काम्या ने इससे पहले अफ्रीका में माउंट किलिमंजारो, यूरोप में माउंट एल्ब्रस, ऑस्ट्रेलिया में माउंट कोज़्स्कीस्ज़को, दक्षिण अमेरिका में माउंट एकॉनकागुआ, उत्तरी अमेरिका में माउंट डेनाली और एशिया में माउंट एवरेस्ट की सफल चढ़ाई की थी। भारतीय नौसेना ने काम्या की इस असाधारण उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा,"नेवी चिल्ड्रन स्कूल, मुंबई की कक्षा 12 की छात्रा सुश्री काम्या कार्तिकेयन ने सात महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों पर चढ़ाई कर इतिहास रचा है।

अफवाहों से परेशान नहीं होती हैं श्वेता

☐ पॉपुलर एक्ट्रेस और 'बिग बॉस 4' की विनर रहीं श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी भी शोबिज इंडस्ट्री में एक्टिव हैं और उनकी अपनी मां की तरह जबरदस्त फैन फॉलोइंग है. उनके वीडियोज और फोटोज आए दिन सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं. पलक तिवारी अक्सर चर्चा में रहती हैं और वहीं उनके सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान के साथ अफेयर की अफवाहें आती रहती हैं. अब श्वेता तिवारी ने बेटी के रिलेशनशिप स्टेटस पर खुलकर बात की है. इसके साथ ही उन्होंने बताया है कि इस तरह की अफवाहों से उन्हें कुछ फर्क नहीं पड़ता है.

श्वेता तिवारी ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अपनी बेटी पलक तिवारी की डेटिंग रूमर्स पर बात की है. बेटी की की डेटिंग की अफवाहों पर परेशान होने के सवाल पर श्वेता तिवारी ने कहा, 'अफवाहें मुझे परेशान नहीं करती हैं, मुझे अहसास हो गया है कि लोगों की मेमोरी सिर्फ 4 घंटे होती है. उसके बाद लोग चीजों को भूल जाते हैं तो मैं परेशान क्यों रहूं? हर अफवाह के मुताबिक, मेरी बेटी हर तीसरे शख्स को डेट कर रही है और मैं हर साल शादी कर रही हूं. मैंने पहले से ही तीन शादी कर रखी हैं. अब ये चीजें मुझपर असर नहीं डालती हैं. जब सोशल मीडिया नहीं तो कुछ जर्नलिस्ट ने कभी किसी के बारे में अच्छा नहीं लिखा. एक्टर्स के बारे में सिर्फ निगेटिविटी लिखी जाती थी. उस दौर को डील करने के बाद मुझे आज की अफवाहों से कोई फर्क नहीं पड़ता है.'

श्वेता तिवारी ने बेटी पलक तिवारी के द्वारा ट्रोलर्स से डील करने के सवाल पर कहा, 'एक्ट्रेस की बेटी होने के कारण उन्होंने हमेशा मुझे दखा है कि मैं अफवाहों से कैसे डील करती हूं. वह जब बड़ी हो रही थी तब मेरे पर भी काफी चीजें लिखी गईं लेकिन मैंने उन्हें डील किया. अब वह जानता हैं कि हर ट्रोलर्स के साथ कैसे डील करना है और वो समझदारी से इनसे बाहर आती है. कभी-कभी वह ऐसी चीजों को अलग तरह से डील करती है, जिनसे मैं सीखती हूं.' बेटी के लिए डरने लगने के सवाल पर श्वेता तिवारी ने कहा, 'कभी कभी इन चीजों से डर भी लगता है. ये मायने नहीं रखता है कि वह कैसी दिखती है, वो बहुत मासूम है वो कभी लोगों को जवाब नहीं देती.

टीवी पर होगी नए शोज की शुरुआत

☐ शार्क टैंक इंडिया से लेकर लाफ्टर शेफ तक, साल 2025 में छोटे पर्दे पर कई नए शोज़ की शुरुआत होने जा रही है. पर लोगों के दिलों पर कौन सा शो राज करेगा और कौन से शो का छोटे पर्दे से 'पैक अप' हो जाएगा, ये इन शो की टीआरपी तय करेगी. साल 2024 में भी इस टीआरपी ने कइयों की छुट्टी कर दी. एक तरफ 'कुंडली भाग्य' जैसा मशहूर टीवी सीरियल इस साल ऑफ एयर हुआ, वहीं रुपाली गांगुली के 'अनुपमा' और डीडी नेशनल के 'काकभुशुण्डि रामायण' ने साल 2024 में खूब तारीफ बटोरी. अब बात करते हैं नए साल यानी 2025 की.

इस साल का स्वागत टीवी की दुनिया बड़े ही जोर-शोर से करने वाली है. 'नागिन' से लेकर 'लाफ्टर शेफ 2' और 'शार्क टैंक इंडिया सीजन 5' तक, नए साल में कई नए शो लॉन्च होने जा रहे हैं. तेजस्वी प्रकाश के 'नागिन 6' के बाद कलर्स टीवी के इस मशहूर टीवी सीरीज ने एक लंबा ब्रेक लिया था. लेकिन अब फिर एक बार एक नए चेहरे के साथ एकता कपूर का फैंटसी फिक्शन ड्रामा शो कलर्स टीवी पर अपनी वापसी करने वाला है. प्रियंका चाहर चौधरी, सना मकबूल और रुबीना दिलैक जैसे कई चेहरे एकता कपूर की नई 'नागिन' बनने के लिए उत्सुक हैं. निया शर्मा, कृष्णा अभिषेक, अली गोनी के 'लाफ्टर शेफ' ने टीआरपी के सारे रिकार्ड्स तोड़ दिए थे. इस मजेदार कुकिंग रियलिटी शो को दर्शकों का इतना प्यार मिला कि अब जनवरी 2025 में भारती सिंह का ये शो सीजन 2 के साथ कलर्स टीवी पर अपनी वापसी कर रहा है. हालांकि इस बार एल्विश यादव, रुबीना दिलैक, अभिषेक कुमार जैसे कई नए चेहरे इस शो में शामिल होने वाले हैं. अपने यूट्यूब चैनल पर सेलिब्रिटी के साथ खाना बनाने वालीं फराह खान सोनी टीवी पर 'सेलिब्रिटी मास्टर शेफ' होस्ट करेंगी. ये कुकिंग रियलिटी शो 'मास्टर शेफ' के पुराने सीजन की तरह सीरियस नहीं, बल्कि कॉमेडी होने वाला है. तेजस्वी प्रकाश, दीपिका कक्कड़, अभिजीत सावंत जैसे कई मशहूर चेहरे सोनी टीवी पर ऑन एयर होने वाले इस शो में शामिल हुए हैं. जनवरी 2025 में शुरू होने वाला ये शो भारती सिंह के 'लाफ्टर शेफ 2' को कड़ी टक्कर देगा. 4 जनवरी 2025 से सोनी टीवी पर 'शार्क टैंक इंडिया' के 5वें सीजन की शुरुआत होगी. सोनी टीवी के साथ ये बिजनेस रियलिटी शो ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर भी स्ट्रीम होगा. नमिता थापर, अमन गुप्ता, अनुपम मित्तल, विनीता सिंह के साथ 'शार्क टैंक इंडिया' के नए सीजन में कुछ नए शार्क भी नजर आएंगे. टीवी पर हर दिन नजर आने वाले सास-बहू ड्रामा से अलग दो नए शो कलर्स टीवी पर लॉन्च होने जा रहे हैं. आयशा सिंह का 'मन्नत' और बॉडी पॉजिटिविटी का मैसेज देने वाला 'मेरी भव्य लाइफ' ये दोनों शो जनवरी 2025 में ऑन एयर होने वाले हैं.

सिडनी टेस्ट में नहीं खेलेंगे स्टार्क?

नई दिल्ली.

ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड को उम्मीद है कि तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क सिडनी में भारत के खिलाफ होने वाले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम मुकाबले के लिए उपलब्ध होंगे। मैकडोनाल्ड ने स्वीकार किया कि स्टार्क चोट से उबर रहे हैं और टीम चयन के बारे में फैसला टेस्ट से ठीक पहले लिया जाएगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांचवां टेस्ट तीन जनवरी से होगा। स्टार्क मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट के दौरान चोट की चिंता से जूझ रहे थे। सबसे पहले उन्हें मैच के तीसरे दिन दिक्कत हुई थी और स्टार्क को स्पैल के दौरान अपनी पीठ पकड़ते हुए देखा गया। इसके बाद वह दिन का खेल खत्म होने से ठीक पहले मैदान से बाहर चले गए थे। दिक्कतों के बावजूद स्टार्क ने अंतिम दिन पूरी क्षमता के साथ गेंदबाजी की और ऑस्ट्रेलिया को लक्ष्य का बचाव करने में मदद की। स्टार्क लगातार 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर रहे थे और उन्होंने पांचवें दिन लंच ब्रेक से पहले विराट कोहली का महत्वपूर्ण विकेट भी अपने नाम किया। वह दूसरी पारी में 16 ओवर डालने में सफल रहे। भारत ने आखिरी सत्र में सात विकेट गंवाए जिससे ऑस्ट्रेलिया ने यह मुकाबला जीतकर पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली। मैकडोनाल्ड ने कहा, यह स्पष्ट है कि स्टार्क को कुछ दिक्कतें हो रही थी। हमें इसे देख रहे हैं, लेकिन इसके अलावा सब ठीक दिख रहा है। हालांकि, अभी थोड़ा समय शेष है और उनका इससे उबरना जरूरी है। हम देखेंगे कि टीम को सिडनी में किस तरह की जरूरत है और पिच को देखते हुए फैसला लेंगे, जैसा हम हमेशा करते हैं। जब भी आप खेल में सफल होते हैं, तो यह हमेशा एक अच्छा संकेत होता है कि आपके पास अगले मैच के लिए मौका है। उन्होंने कहा, स्टार्क के स्पैल के शुरुआत में दिक्कतें दिख रही थी, लेकिन जब उन्होंने वार्मअप किया तो वह ठीक दिख रहे थे। उनकी गेंद की गति भी अच्छी थी। मेरे ख्याल से सुबह के सत्र में जब हमने 20 ओवर गेंदबाजी की थी तो अच्छी गेंदबाजी हो रही थी। ऑस्ट्रेलिया ने चौथे टेस्ट मैच से पहले सीन एबॉट और झाई रिचर्डसन को बैकअप के तौर पर टेस्ट टीम में शामिल किया था। बिग बैश लीग की प्रतिबद्धताओं के बावजूद उम्मीद है कि यह दोनों अंतिम टेस्ट के लिए जल्द उपलब्ध होंगे। ऑस्ट्रेलिया की टीम 2014 से पहली बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पर कब्जा करने की कोशिश करेगी। अगर उन्हें जीतना है तो हर हाल में सिडनी टेस्ट अपने नाम करना होगा। अगर अगला मैच ड्रॉ रहा तो सीरीज 2-2 की बराबरी पर समाप्त होगी और भारत इस ट्रॉफी पर अपना कब्जा बरकरार रखेगा क्योंकि पिछली बार उसने सीरीज जीती थी।

मोनालिसा के बोल्ड फोटोज देख लटू हुए फैंस

☐ भोजपुरी से लेकर टीवी तक अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरने वाली मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वह अक्सर अपने ग्लैमरस फोटोज शेयर कर अपने तमाम चाहने वाले फैंस का ध्यान खींचने में कामयाब रहती हैं. मोनालिसा ने अब पार्टी की करने की अपनी तस्वीरें फैंस को दिखाई हैं. इनमें वह रिवीलिंग ड्रेस पहनकर कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करते नजर आ रही हैं. मोनालिसा का बोल्ड अंदाज उनके फैंस को पसंद आ रहा है और वह अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस की फोटोज पर जमकर रिएक्शन दे रहे हैं. मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं. इसके साथ उन्होंने कैप्शन में बताया है कि ये पार्टी की तस्वीरें हैं. मोनालिसा की तस्वीरों को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता कि उन्होंने पार्टी में जमकर मस्ती की. उनकी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं. मोनालिसा ने पार्टी के दौरान रिवीलिंग ड्रेस पहनी थी. उन्होंने इस ड्रेस में अपना कर्वी फिगर जमकर फ्लॉन्ट किया है. मोनालिसा ने पार्टी के दौरान रिवीलिंग ड्रेस पहनी थी. उन्होंने इस ड्रेस में अपना कर्वी फिगर जमकर फ्लॉन्ट किया है. मोनालिसा का बोल्ड अंदाज उनके फैंस को खूब पसंद आ रहा है. फैंस एक्ट्रेस की तस्वीरों पर जमकर प्यार बरसा रहे हैं. मोनालिसा के लिए ये पहला मौका नहीं जब उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी ग्लैमरस फोटोज शेयर की हैं. वह अक्सर अपनी झलक दिखाती रहती हैं. मोनालिसा कई बार अपने पति विक्रांत सिंह राजपूत के साथ की रोमांटिक तस्वीरें भी शेयर करती रहती हैं. फैंस इस कपल पर खूब प्यार लुटाते हैं.

कांबली ने अस्पताल में किया डांस

ठाणे. भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली कुछ से ठाणे के अस्पताल में भर्ती हैं। विनोद कांबली को 21 दिसंबर की रात तबीयत बिगड़ने के बाद ठाणे के आकृति अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। अब विनोद कांबली की हालत में सुधार हुआ है। अस्पताल में इलाज करवा रहे विनोद कांबली का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें पूर्व क्रिकेटर ठुमके लगाते हुए दिख रहे हैं। जिससे उनके स्वास्थ्य में प्रगति का पता चलता है। भारत की तरफ से 17 टेस्ट और 104 वनडे खेलने वाले 52 वर्षीय कांबली को मूत्र संक्रमण और मांसपेशियों में ऐंठन की शिकायत के बाद 21 दिसंबर को भिवंडी शहर के काल्हेर इलाके में आकृति अस्पताल में भर्ती कराया गया। कई तरह की चिकित्सा जांच के बाद उनके मस्तिष्क में थक्के का पता चला।

कांबली का इलाज कर रहे डॉक्टरों ने सोमवार को कहा कि उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। इस वीडियो में अस्पताल में कांबली को पूरे जोश के साथ नाचते हुए दिखाया गया है, जो उनके स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण सुधार का संकेत देता है। मुंबई के इस पूर्व क्रिकेटर ने इलाज के दौरान सहयोग के लिए अस्पताल के निदेशक शैलेश ठाकुर का भी आभार जताया। अस्पताल में कांबली के डांस का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ और प्रशंसकों ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। हाल ही में कांबली का इलाज कर रहे डॉक्टर ने कहा कि उन्हें याददाश्त खोने की भी समस्या है। द्विवेदी ने कहा कि हां, उनकी याददाश्त में भी थोड़ी कम हुई है। यह न्यूरोडीजेनेरेटिव परिवर्तन हैं।

अभिषेक शर्मा ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए ठोंका दावा

नई दिल्ली. अभिषेक शर्मा ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले 170 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेलकर खुद को टूर्नामेंट की टीम में शामिल करने का दावा ठोक दिया. इन दिनों खेले जा रही विजय हजारे ट्रॉफी में अभिषेक शर्मा पंजाब की कप्तानी करते हुए नजर आ रहे हैं. टूर्नामेंट में सौराष्ट्र के खिलाफ खेले जा रहे मुकाबले में पंजाब के कप्तान ने 96 गेंदों में 22 चौके और 8 छक्कों की मदद से 170 रनों की पारी खेली. इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 177.08 का रहा. अभिषेक ने 60 गेंदों में शतक पूरा कर लिया था.

टीनेज में अशनूर बनी इंटरनेट सेंसेशन

☐ टीवी एक्ट्रेस अशनूर कौर महज 20 साल की हैं, लेकिन वह अपनी टीनेज की उम्र में ही इंटरनेट सेंसेशन बन गई हैं. अशनूर एक तरफ टीवी इंडस्ट्री में अपनी एक्टिंग का जलवा दिखा रही हैं, दूसरी तरफ वह सोशल मीडिया पर अपने बोल्ड अवतार से तहलका मचा देती हैं. एक्ट्रेस कई बार अपनी बोल्ड फोटोज शेयर करके बॉलीवुड हसीनाओं को टक्कर देती हैं, लेकिन इस बार अशनूर कौर का रेड वाइन लुक देख फैंस तक हैरान रह गए हैं. इन फोटोज को फैंस बार-बार देखने पर मजबूर हो रहे हैं. अशनूर कौर ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वह कहर ढा रही हैं. इन फोटोज में वह रेड वाइन के लुक में काफी सुंदर लग रही हैं. अशनूर कौर ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वह कहर ढा रही हैं. इन फोटोज में वह रेड वाइन के लुक में काफी सुंदर लग रही हैं. एक्ट्रेस ने अपने लुक को अट्रैक्टिव बनाने के लिए हाथों में नेट वाले ग्लव्स पहने हैं और बालों को थोड़ा कर्ल किया है. इस पतली सी स्ट्रिप वाली ड्रेस में अशनूर कमाल की लग रही हैं. अशनूर कौर ने इन फोटोज के साथ कैप्शन में लिखा, 'सांता इस साल आप देर से आए हैं.' बता दें कि एक्ट्रेस की ये फोटोज क्रिसमस पार्टी के मौके की हैं, जिन्हें अशनूर ने जरा देरी से पोस्ट किया है. सोशल मीडिया पर अशनूर कौर के इस लुक को काफी पसंद किया जा रहा है. हर कोई एक्ट्रेस की जमकर तारीफ कर रहा है. फोटोज के कमेंट सेक्शन में फायर और हार्ट के इमोजी की बाढ़ आ गई है.

श्रुति हासन बेबी बंप संग आईं नजर

☐ साउथ के सुरस्टार कमल हासन की बेटी श्रुति हासन भी इंडस्ट्री में जाना पहचाना नाम है. श्रुति हासन साउथ ही नहीं बल्कि बॉलीवुड फिल्मों में भी अपना जलवा दिखा चुकी हैं. श्रुति न केवल अपने अभिनय के लिए बल्कि अपने बयानों को लेकर भी वह अक्सर चर्चा में रहती है. वह अक्सर कोई न कोई ऐसा बयान दे देती हैं, जिसकी वजह से वह खबरों में आ जाती हैं. हालांकि इस वक्त श्रुति हासन अपनी कुछ तस्वीरों को लेकर चर्चा में आ गई हैं, जिसमें वह बेबी बंप के साथ नजर आ रही हैं. हाल ही में सोशल मीडिया पर श्रुति हासन की कुछ तस्वीरें सामने आई है, जिसमें वह अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं. एक तस्वीर में एक्ट्रेस ब्लू कलर की ड्रेस में बीच के किनारे बेबी बंप के साथ पोज देती नजर आ रही हैं.

रोहित ने संन्यास पर लिया आखिरी डिसीजन

सिडनी. भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेली जा रही है। इस सीरीज का आखिरी मुकाबला 3 जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा। लेकिन इस मुकाबले से ज्यादा आज के समय चर्चा मेलबर्न में भारत को मिली हार और रोहित शर्मा के खराब फॉर्म पर हो रही है। दरअसल, मेलबर्न में भारत को ऑस्ट्रेलिया से 184 रन से हार का सामना करना पड़ा था। जिसके बाद से भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ओलाचकों के निशाने पर आ गए हैं। लगातार कई लोग उनके संन्यास की मांग कर रहे हैं। कुछ लोगों का कहना है कि उन्हें अब टेस्ट से संन्यास ले लेना चाहिए। जिसके बाद एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में रोहित शर्मा का निजी प्रदर्शन बहुत खराब रहा। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज की 5 पारियों में केवल 31 रन बनाए हैं। जिसके बाद एक मीडिया रिपोर्ट से जानकारी के मुताबिक बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारी और चयनकर्ता रोहित से बात कर चुके हैं और ऐसा लग रहा है कि 'हिटमैन' अपना फैसला नहीं बदलेंगे। हालांकि रिटायरमेंट की तारीख अभी सामने नहीं आई है, लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक रोहित सिडनी टेस्ट के बाद अपना टेस्ट करियर खत्म कर सकते हैं। अगर भारत वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचता है तो रोहित कुछ और समय तक कप्तान बने रहने के लिए चयनकर्ताओं से बात कर सकते हैं। भारत को मेलबर्न टेस्ट में 184 रनों से हार का सामना करना पड़ा, जिसकी बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त ले ली है। भारत की इस हार पर रोहित शर्मा ने कहा कि कई चीजें ऐसी हैं जो उनके हिसाब से नहीं हो रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह हार मानसिक रूप से चौंकाने वाली है। वह सिडनी टेस्ट से बाद संन्यास लेने वाले हैं।

मादक पदार्थों के व्यापार पर पुलिस की कड़ी नजर

> सादे कपड़ों में अधिकारी तैनात

मुंबई. शहर में अवैध मादक पदार्थों का व्यापार कर रहे लोगों पर पुलिस ने कार्रवाई की है। इसके लिए अवैध मादक पदार्थों के व्यापार के बारे में चिंताओं को दूर करने के लिए, नवी मुंबई पुलिस ने शहर में अवैध रूप से रहने वाले विदेशी नागरिकों पर कार्रवाई की, जिनमें से कई नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों में शामिल हैं।

नवी मुंबई के पुलिस आयुक्त, मिलिंद भारंबे ने अवैध अप्रवासियों, विशेष रूप से अफ्रीकियों के बारे में चिंता व्यक्त की, जो छात्र, चिकित्सा या व्यावसायिक वीजा पर देश में घूसते हैं, लेकिन अंततः मादक पदार्थों के व्यापार में शामिल हो जाते हैं।

उन्होंने कहा, "जो लोग अवैध अप्रवासी हैं, विशेष रूप से अफ्रीकी, मादक पदार्थों के व्यापार में लिप्त हैं। वे छात्र वीजा, चिकित्सा वीजा और व्यावसायिक वीजा पर आते हैं, लेकिन समय के साथ, वे मादक पदार्थों के व्यापार में शामिल होने लगते हैं। कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है और वे जेल में हैं।

नवी मुंबई पुलिस ने पिछले दो वर्षों में मादक पदार्थों के व्यापार में शामिल अफ्रीकियों के खिलाफ कार्रवाई की है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि नवी मुंबई पुलिस आगामी उत्सवों के दौरान शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए सक्रिय रूप से तैयारी कर रही है। पुलिस किसी भी अप्रत्याशित घटना को रोकने और समुदाय के लिए सभी उत्सवों को सुचारू रूप से और सुरक्षित रूप से संपन्न कराने के लिए व्यापक उपाय कर रही है। नवी मुंबई के पुलिस आयुक्त मिलिंद भारम्बे ने आश्वासन दिया कि प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस कर्मियों को तैनात किया जाएगा और लोगों से उत्सवों के दौरान जिम्मेदार बने रहने और कानूनों और नियमों का पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, "नवी मुंबई पुलिस लोगों को नया साल मनाने के लिए सुरक्षित माहौल प्रदान करने के लिए तैयार है। पुलिस तैनात की जाएगी।"

शराब पीकर गाड़ी न चलाएं

शहर के प्रमुख क्षेत्रों में नशीली दवाओं की खपत पर नज़र रखने के लिए सादे कपड़ों में अधिकारी तैनात किए जाएंगे। उन्होंने कहा, "मैं लोगों से अपील करना चाहता हूं कि वे शराब पीकर गाड़ी न चलाएं। पनवेल में कई फार्महाउस हैं और नशीली दवाओं की खपत पर नज़र रखने के लिए सादे कपड़ों में अधिकारी तैनात किए जाएंगे।

पुणे में न्यू ईयर पार्टी के न्योते पर मचा बवाल

पुणे. नए साल की शुरुआत पर कई स्थानों पर पार्टियों की तैयारियां जारी हैं। इसी बीच महाराष्ट्र के पुणे में एक पब की तरफ से दिए गए न्योते को लेकर बवाल मच गया है। खबर है कि पब ने जिन लोगों को न्योता दिया है, उन्हें साथ में कंडोम समेत कई अन्य चीजें भी भेजी हैं। फिलहाल, इस मामले में पुलिस जांच शुरू हो गई है।पुणे के एक पब में नए साल की पूर्व संध्या पर आयोजित पार्टी के निमंत्रण के साथ कथित तौर पर कंडोम और ओआरएस घोल के पैकेट भेजे जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया, जिसके बाद पुलिस ने आमंत्रित लोगों के बयान दर्ज किए हैं। महाराष्ट्र प्रदेश युवा कांग्रेस ने पुणे पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार के समक्ष शिकायत दर्ज कराई और कंडोम व ओआरएस घोल के पैकेट की तस्वीरों के साथ निमंत्रण वायरल होने के बाद पब के प्रबंधन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। महाराष्ट्र प्रदेश युवा कांग्रेस के सदस्य अक्षय जैन ने सोमवार को कहा, 'हम पब और नाइटलाइफ के खिलाफ नहीं हैं। हालांकि, युवाओं को आकर्षित करने के लिए इस तरह की मार्केटिंग रणनीति पुणे शहर की परंपराओं के खिलाफ है।

सिंहस्थ कुंभ मेले की तैयारियां शुरू

> प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती

नासिक. सरकार और नागरिकों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करने वाले जिला प्रशासन की मिशनरी 2024 में पूरे साल निर्वाचन और अन्य कार्यों में व्यस्त रही। गांवठाण जमीनों के संबंध में निर्णय कुछ लोगों के लिए राहतदायक रहा, लेकिन मंत्रियों की नियुक्ति के अभाव में पानी आरक्षण का मुहूर्त लागू नहीं हो सका। लोकसभा निर्वाचन, शिक्षक चुनाव, विधान परिषद निर्वाचन और बाद में विधानसभा निर्वाचन के रूप में 3 निर्वाचन प्रशासन ने पूरे किए।

अब 2027 में नियोजित कुंभ मेले की तैयारी के लिए जिला प्रशासन को आगामी वर्ष में शिवधनुष्य की तैयारी करना होगा। जिला प्रशासन के लिए इस वर्ष निर्वाचन में व्यस्त रहना एक बड़ी चुनौती थी। लगभग 4 महीनों के लिए आचार संहिता के कारण निधि खर्च पर कुछ प्रतिबंध लग गए थे। सामान्य योजनाओं के लिए जिला नियोजन समिति के 850 करोड़ रुपये के निधि में से केवल 33 प्रतिशत निधि विधानसभा आचार संहिता से पहले खर्च किया गया था। आगामी 3 महीनों में शेष निधि खर्च का आव्हान पूरे प्रशासन के सामने रहेगा।

पालक मंत्रियों की नियुक्ति में देरी के कारण, नियोजन समिति की बैठक भी लंबित हो गई है। पालक मंत्रियों की अनुपस्थिति में पानी आरक्षण की प्रक्रिया भी रुकी हुई है। इसके बावजूद, जिला प्रशासन ने नियमित आवर्तनों को शुरू करने के लिए एक अच्छी शुरुआत की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य वीआईपी व्यक्तियों की नासिक यात्रा के आयोजन की जिम्मेदारी जिला प्रशासन ने सफलतापूर्वक निभाई है। पालक मंत्री पद की जिम्मेदारी संभालते हुए, दादा भुसे ने मालेगांव में एक सौर ऊर्जा परियोजना शुरू की, जो राज्य में दूसरी सबसे बड़ी परियोजना है।

2024 में लोकसभा, विधानपरिषद और विधानसभा की 3 महत्वपूर्ण निर्वाचनों को सफलतापूर्वक आयोजित करने के दौरान, जिला प्रशासन के प्रयासों से मतदान की दर में वृद्धि हुई। इस साल तहसीलदारों के काम के विभाजन का एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया था। इसके अनुसार, नासिक और मालेगांव के तहसीलदारों को सहायक तहसीलदार मिलने से काम के विभाजन में मदद मिली। लेकिन धान्य वितरण व्यवस्था इस

'केरल मिनी पाकिस्तान है' वाले बयान पर फंसे नीतेश राणे

> कहा- मैं सिर्फ घटनाओं की तुलना कर रहा था

मुंबई. मत्स्य पालन मंत्री नितेश राणे एक बार फिर सुर्खियों में आ गए हैं। उन्होंने केरल की तुलना पाकिस्तान से की, जिससे सियासी बवाल मच गया। हालांकि, बढ़ते मामले को देखते हुए सोमवार को भाजपा नेता ने सफाई दी। उन्होंने कहा कि केरल भारत का हिस्सा है। उन्होंने पाकिस्तान से केवल केरल में हो रहे घटनाक्रमों के संदर्भ में तुलना की थी। राणे ने कहा कि अगर पाकिस्तान में हिंदुओं के साथ जैसा व्यवहार हो रहा है, वैसे ही घटनाएं भारत में हो रही हैं, तो इस पर कार्रवाई की जानी चाहिए।

सरकार में मंत्री नितेश राणे ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को निशाने पर लेते हुए कहा था कि वो मुस्लिमों की वजह से वायनाड से चुनाव जीत पाते हैं। उन्होंने कहा है कि केरल मिनी पाकिस्तान है, इसलिए राहुल और उनकी बहन प्रियंका जीतकर आते हैं, सांसद बनने के लिए ऐसे ही लोग उनको वोट देते हैं। राणे ने यह टिप्पणी पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान रविवार को की थी।

राणे ने आगे कहा कि उन्होंने केवल तथ्यों को सामने रखा है। हमारे साथ एक शख्स भी मौजूद था, जिसने 12,000 हिंदू महिलाओं को इस्लाम और ईसाई धर्म में धर्मांतरण से रोका है। भाजपा नेता ने कहा, 'पूरा मामला हालातों से तुलना करने का था। मैं तथ्यों को सामने ला रहा था। मैं उनके साथ था, जिन्होंने 12,000 हिंदू महिलाओं को धर्मांतरण से बचाया।

साध्वी प्रज्ञा ठाकुर को कोर्ट से राहत

मुंबई. बीजेपी की पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर को कोर्ट से राहत मिली है. कारण, मुंबई की स्पेशल कोर्ट ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) अधिनियम के तहत 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में जारी जमानती वारंट को अस्थायी रूप से निलंबित करने के अपने आदेश को आगे बढ़ा दिया. कोर्ट ने पहले ठाकुर को जमानती वारंट जारी किया था क्योंकि वह चल रहे मुकदमे में उपस्थित नहीं हुई थी जो, अपने अंत के करीब है. दरअसल, 2 दिसंबर को कोर्ट को सूचित किया गया कि जमानती वारंट बिना तामील के वापस आ गया था, क्योंकि ठाकुर अपने घर पर नहीं मिली थी, और जांच करने पर पता चला कि वह मेरठ के अस्पताल और एकीकृत चिकित्सा विज्ञान संस्थान में इलाज करा रही हैं. 3 दिसंबर को ठाकुर की ओर से पेश हुए अधिवक्ता जेपी मिश्रा ने प्रस्तुत किया कि उनके मुवक्किल का अभी भी इलाज चल रहा है, और वह डॉक्टरों की सलाह के अनुसार तीन से चार हफ्ते बाद यात्रा करने में सक्षम होंगी. इसलिए, वह 30 दिसंबर, 2024 को या उससे पहले उपस्थित रहेंगी. इन दलीलों को सुनने के बाद, विशेष अदालत ने जमानती वारंट को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया था. हालांकि, मिश्रा ने सोमवार (30 दिसंबर) को अदालत को बताया कि ठाकुर मेडिकल सुविधा से लौट आई हैं और उन्होंने भोपाल से मुंबई आने के लिए टिकट भी बुक कर लिए थे, लेकिन उन्हें टाइफाइड, तेज बुखार और पेट दर्द की शिकायत थी.

मराठी एक्ट्रेस की शिकायत पर महिला आयोग सख्त

> बीजेपी विधायक पर कार्रवाई के निर्देश

मुंबई. मराठी एक्ट्रेस प्राजक्ता माली की शिकायत के बाद राज्य महिला आयोग सख्त नजर आ रहा है. आयोग ने एक्ट्रेस की शिकायत पर मुंबई पुलिस को तत्काल कार्रवाई करने और तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया. प्राजक्ता ने अपनी शिकायत में कहा कि बीजेपी विधायक सुरेश धस ने उनके बारे में अपमानजनक टिप्पणी की. एक्ट्रेस प्राजक्ता माली ने आयोग में शिकायत ये भी कहा,"अनुचित और अपमानजनक टिप्पणियों ने उनके निजी और सामाजिक जीवन को प्रभावित किया है.

अभिनेत्री ने यह भी आरोप लगाया कि इन टिप्पणियों के बाद सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ अपमानजनक सामग्री प्रसारित की गई. महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग ने अपने एक्स हैंडल के जरिए बताया कि उसे प्राजक्ता माली की शिकायत मिली है और इसके बाद कार्रवाई शुरू कर दी है. आयोग ने कहा कि यह मामला गंभीर है और मुंबई पुलिस आयुक्त को तुरंत कार्रवाई करने और तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया गया है.

एक्ट्रेस द्वारा महिला आयोग में दर्ज कराई गई शिकायत के बारे में पूछे जाने पर बीजेपी विधायक सुरेश धस ने कहा कि यह मुद्दा उनके लिए खत्म हो चुका है और वे परिणाम भुगतने के लिए तैयार हैं. उन्होंने यह भी कहा कि संतोष देशमुख हत्याकांड और बीड में अपराध पर ध्यान भटकाने का प्रयास नहीं किया जाना चाहिए. आयोग की यह प्रतिक्रिया एक्ट्रेस प्राजक्ता माली द्वारा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुंबई में उनके आवास पर मुलाकात करने के एक दिन बाद आयी है. फडणवीस ने प्राजक्ता माली और उनके परिवार को आश्वासन दिया कि महिलाओं का अपमान करने की किसी भी हरकत को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और उचित कार्रवाई की जाएगी.

ज्वेलरी शॉप में बड़ी लूट

मुंबई. एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है. महालक्ष्मी के पास सात रास्ता इलाके में स्थित ऋषभ ज्वेलर्स को दिनदहाड़े लूट का शिकार बनाया गया. ग्राहक बनकर आए दो लोगों ने हथियार लहराए और 1.91 करोड़ रुपये के सोने-चांदी के आभूषण, 15000 रुपये नकद और एक वाई-फाई राउटर लूट लिया. आरोपियों ने मालिक और कर्मचारियों के साथ मारपीट भी की, उन्हें बांध दिया और मौके से फरार हो गए. अग्रीपाड़ा पुलिस ने दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया है, जबकि क्राइम ब्रांच ने मामले की जांच के लिए 5-6 टीमें बनाई हैं. चिंचपोकली में रहने वाले व्यवसायी भवरलाल धरमचंद जैन (50) द्वारा दर्ज कराई गई साने गुरुजी मार्ग पर लक्ष्मीदास वाडी स्थित दुकान में लुटेरे आभूषण खरीदने के बहाने घुसे. इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, उन्होंने जैन और दुकान के कर्मचारी पूरन कुमार को बंदूक और चाकू दिखाकर धमकाया. इसके बाद उन्होंने उन्हें रस्सियों से बांध दिया और विरोध करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी. चोरी की गई वस्तुओं में 1.91 करोड़ रुपये की कीमत के 2,458 ग्राम सोने के आभूषण, 1.77 लाख रुपये कीमत के 2,200 ग्राम चांदी के आभूषण, 15000 रुपये नकद और एक वाई-फाई राउटर शामिल हैं. अग्रीपाड़ा पुलिस सूचना मिलने के तुरंत बाद घटनास्थल पर पहुंची और मामला दर्ज किया.

मुंबई होर्डिंग हादसे में पुलिस को मिली सफलता

मुंबई. मुंबई होर्डिंग हादसा में पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। मुंबई पुलिस ने होर्डिंग हादसे में फरार आरोपी को धरदबोचा है। मंगलवार को अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि मुंबई पुलिस ने घाटकोपर में होर्डिंग ढहने के मामले में मुख्य आरोपी को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान कारोबारी अरशद खान (42) के रूप में हुई है। मामले के संबंध में बयान दर्ज कराने के लिए बुलाए जाने के बाद से वह पिछले सात महीने से ही फरार हो गया था। जानकारी दें कि घाटकोपर इलाके में 13 मई को तेज हवाओं और बारिश के बीच एक पेट्रोल पंप पर विशालकाय अवैध होर्डिंग गिर गया था। इस हादसे में 17 लोगों की मौत हो गई थी और 80 से अधिक घायल हुए थे। अपना प्रारंभिक बयान दर्ज कराने के बाद अरशद खान मामले में जांच कर रहे मुंबई पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) के सामने उपस्थित नहीं हुआ। अधिकारी ने बताया कि पुलिस पिछले कुछ महीनों से अरशद खान की तलाश में जुटी थी, लेकिन वह समय-समय पर अपना ठिकाना बदलता रहा। उन्होंने बताया कि खान को आखिरकार रविवार को लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया गया। जीआरपी की जमीन पर होर्डिंग लगाने की जब मंजूरी दी गई थी उस वक्त खालिद राजकीय रेलवे पुलिस आयुक्त थे तथा कथित चूक के कारण उन्हें निलंबित कर दिया गया है। ईगो मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के बैंक खातों से खान से जुड़े लोगों के खातों में कई लेनदेन हुए। पुलिस ने पहले दावा किया था कि इनमें से अधिकतर लेन-देन उस समय हुए जब खालिद जीआरपी आयुक्त थे।

प्रदूषण रोकने के लिए एक्शन में बीएमसी

> 77 बेकरियों पर लटकेगा ताला, कार्रवाई शुरू

मुंबई. प्रदूषण की रोकथाम के लिए महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीसीबी) के साथ बीएमसी प्रशासन ने संयुक्त रूप से ठोस कदम उठाया है। सोमवार को बीएमसी मुख्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कमिश्नर भूषण गगरानी ने कहा कि कोयला और लकड़ी से चलने वाली 77 बेकरी को प्रदूषण फ़ैलाने के मामले में बंद करने का फैसला लिया गया है, इसके लिए कानूनी प्रक्रिया शुरू है। साथ ही 41 लकड़ी आधारित शवदाह गृहों को पीएनजी और बिजली में तब्दील कर दिया गया है। मुंबई के 225 शवदाह गृहों को भी बिजली और पीएनजी में बदलने की प्रक्रिया शुरू है। सूत्रों के अनुसार, सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए बेस्ट के बेड़े में जल्द ही 2100 सिंगल-डेकर और 200 डबल-डेकर इलेक्ट्रिक बसें शामिल की जाएंगी।

डेब्रिज को प्रोसेस करने के लिए कोंकणी पाड़ा (दहिसर) और शिलफाटा (कल्याण) में 600 मीट्रिक टन प्रतिदिन की क्षमता वाला प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। वायु गुणवत्ता की निगरानी के लिए एमएमआर (मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, मीरा-भाईंदर, वसई-विरार, पालघर, कल्याण और भिवंडी) में विभिन्न स्थानों पर कुल 45 वायु गुणवत्ता निगरानी उपकरण लगाए गए हैं।

'गुंडाराज बर्दाश्त नहीं करेंगे'

> संतोष देशमुख हत्याकांड पर फडणवीस की दो टूक

मुंबई. बीड में 9 दिसंबर को सरपंच संतोष देशमुख की अपहरण के बाद हत्या कर दी गई थी। सरपंच की हत्या से जुड़े जबरन वसूली मामले में महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे के करीबी सहयोगी वाल्मिक कराड ने मंगलवार को पुणे में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। इसके बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का भी बयान सामने आया है। देवेंद्र फडणवीस ने भरोसा दिलाया है कि मामले में शामिल सभी दोषियों को कानून के अनुसार सजा मिलेगी। देवेंद्र फडणवीस ने आगे कहा, बीड में 'गुंडा राज' बर्दाश्त नहीं करेंगे।

कराड ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें दावा किया गया कि राजनीतिक प्रतिशोध के कारण उन्हें हत्या से जोड़ा जा रहा है। पुलिस के अनुसार, मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख का 9 दिसंबर को कथित तौर पर बीड जिले में एक पवनचक्की कंपनी से पैसे मांगने वाले कुछ लोगों द्वारा जबरन वसूली का विरोध करने पर अपहरण कर लिया गया और बेरहमी से हत्या कर दी गई।

हत्या के मामले में पहले चार लोगों को गिरफ्तार किया गया था, जबकि कराड को जबरन वसूली मामले में वांछित आरोपी के रूप में नामित किया गया था।

आरोपी वाल्मिक कराड ने किया सरेंडर

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार सुबह कराड अपने सहयोगियों के साथ एक कार में पुणे में अपराध जांच विभाग (सीआईडी) कार्यालय के बाहर पहुंचे और आत्मसमर्पण कर दिया। इससे पहले, उन्होंने एक वीडियो जारी किया था जिसमें उन्होंने कहा था, 'बीड जिले के केज तालुका में मेरे खिलाफ दर्ज एक फर्जी मामले में मैं पुणे में सीआईडी अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर रहा हूं। जो लोग संतोष देशमुख (हत्या) मामले में शामिल हैं, उन्हें दंडित किया जाना चाहिए और फांसी दी जानी चाहिए। राजनीतिक प्रतिशोध के कारण मेरा नाम लिया जा रहा है।

कचरे के ढेर में मिला बच्ची का शव

मुंबई. मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है. जहां कचरे के ढेर में एक बच्ची का शव मिला है. सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. वहीं, अज्ञात शख्स के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए पुलिस ने जांच भी शुरू कर दी है. जानकारी के मुताबिक मुंबई के चारकोप इलाके में स्तिथ अष्टविनायक सोसायटी बिल्डिंग के सामने कचरे के ढेर में 7 महीने की बच्ची का शव पाया गया. हालांकि, बच्ची को किसने फेंका, इसको लेकर अभी तक पता नहीं चल पाया है. पुलिस पता लगाने के लिए सीसीटीवी की भी तलाश कर रही है. पुलिस का कहना है कि हम पूरे मामले की जांच कर रहे हैं. नवजात शिशु की मौत को छिपाने और शव को ठिकाने लगाने का कोई सबूत तो नहीं है.

कार्यालय नगर परिषद सावनेर ता. सावनेर, जिल्हा नागपूर

जावक क्र.नपसा/कर.वि./4593/ २०२४
दि. 31/12/2024

जाहीरनामा

या द्वारे कळविण्यात येते की, अर्जदार कु. अश्विनी रामूजी सातपुते रा. नांदागोमुख त. सावनेर यांनी श्री, मिलिंद पिलाजी सातपुते यांच्या मालकीचे मालमत्ता क्र. SAONOOO१५४३१ प्लॉट क्र. ३२ येथे चैतन्य माऊली अग्रो एजंसी नावाने खताचा व्यवसाय करण्याकरिता कार्यालयास नाहरकत प्रमाणपत्राची मागणी केलीली आहे. सदर व्यवसायाबाबत ज्यांना आक्षेप/उजर / हरकत असेल त्यांनी हा जाहिरनामा प्रसिद्ध झाल्यापासून १५ (पंधरा) दिवसांच्या आत न. प. कार्यालयात कार्यालयीन वेळेत आपले लेखी स्वरुपात आक्षेप सादर करावे. मुदतीनंतर आक्षेप ग्राह्य मान्य मानले जाणार नाही.

मुख्याधिकारी
नगर परिषद सावनेर

आज का राशिफल

मेष- आज आपको अपने सभी कामों को सोच समझ कर ही करना होगा, नहीं तो समस्या हो सकती है।

वृषभ-आज का दिन आपके लिए आय के सोर्स को बढ़ाने वाला रहेगा। आपकी आय बढ़ने से समस्याएं कम होंगी।

मिथुन -आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको अपने माता-पिता की बातों को इग्नोर नहीं करना है.

कर्क -आज का दिन आपके लिए वाणी की कोमलता को बनाए रखने के लिए रहेगा। आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

सिंह- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आपको समय का सदुपयोग करना होगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए तरक्की की राह में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए रहेगा।

तुला -आज का दिन आपके धन-धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। धन को लेकर आपको ज्यादा मेहनत करने की आवश्यकता नहीं है.

वृश्चिक-आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप किसी की कही सुनी बातों में न आएं.

धनु -आज का दिन आपके लिए मिला जुला रहने वाला है। विद्यार्थियों को बौद्धिक व मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा।

मकर -आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से खटपट होने की संभावना है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए समस्याओं भरा रहने वाला है। बिजनेस में किसी योजना पर विराम लग सकता है.

मीन- आज का दिन आपके लिए किसी उलझनों से दूर रहने के लिए रहेगा, इसलिए आप कोई बात बहुत ही सोच समझ कर बोले।

Public Notice

Notice is hereby given to the public at large that I **Mr. Amarjit singh Lubhana** s/o mahindar singh lubhana R/O of plot no 2, Manav Nagar Nari Road Uppawadi Nagpur 440026, Is desirous to purchase the office block. Which is more particularly and specifically described as under.

All the peace and parcel of that **RCC block no 2-R (201)** on the second floor of the second floor of the building known and style as **"USHA COMPLEX"** constructed on the portion **plot no 345**, out of portion of the entire **KH NO 347**, City survey no 2414, sheet no 247/46 **Mauza – Sitabuldi**, ward no 65, circle no 23, situated at Kingsway Nagpur within the limit of Nagpur municipal corporation and Nagpur improvement trust, Tehsil and District Nagpur, having built up area of 256.50 Sqr Mtrs.

Any person / authority/ institutions etc having any rights, interest , charge, lein, mortgage, claim, etc. upon the above mentioned property should lodge their claim along with documents in supports thereof to the undersigned within a period of 7 (seven) days from the publication of this notice.

If no claim / objection is received within the stipulated period as given above, it shall be deemed and construed that the said property is free from encumbrances and will be free to proceed ahead with the said property by executing all necessary documents including agreement to sale or sale deed and no claim/objection whatsoever will be entertained and shall not be binding upon me.

MR Amarjit Singh Lubhana
in front of nari road state bank, Plot no. 2, manav nagar nari road, uppalwadi, Nagapur- 440026
Ph No.- 9325979899

ANUP : 99230 30152

नायब तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी, हिंगणा यांचे कार्यालय, जिल्हा नागपूर.

क्र./अ.का/प्रस्तु ३/तह. हि./ कावि- ११६२/२०२४
दिनांक २८/११/२०२४

वाचा : १) भारत सरकार विधी व न्याय विभाग यांचेकडील दिनांक ११/०८/२०२३ रोजीचे राजपत्र, २) जन्म मृत्यु नोंदणी (सुधारणा) कायदा २०२३ चा २०, ३) मा. जिल्हा दंडाधिकारी यांचे कडील आदेश क्रमांक अका/डी-१/जन्म-मृत्यु आदेश/कावि १५८/२०२३.

जाहीरनामा

ज्याअर्थी, **श्री किसन नवलु उईके,** रा. लखमापुर, जि. नागपूर यांनी त्यांचे बाबा **नवलु झामसिंग उईके,** यांची मृत्युची नोंद ग्रामपंचायत खडकी, तह. हिंगणा दप्तरी घेणेकरीता निर्देशीत करणेकामी अर्ज दाखल केला आहे.

अर्जदार त्यांचे बाबा **नवलु झामसिंग उईके** यांचा दिनांक ०८/०७/१९४९ रोजी मृत्यु झालेला आहे. असे म्हणने आहे. त्याचप्रमाणे सदर्हू अर्जदार यांना त्यांचे **मृत्यू** प्रमाणपत्र शासकीय तथा खाजगी कामाकरीता आवश्यक असल्या बाबत त्यांनी अर्जात नमूद केले आहे.

त्याअर्थी मी नायब तहसिलदार, हिंगणा उपरोक्त वाचा क्रं. १ आणि २ नुसार व ३ मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे मला प्राप्त अधिकारान्वये असे फर्मावित्ते की, सदर व्यक्तीचा **मृत्यू** बाबत नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेकरीता व गृहचौकशी करणे प्रस्तावित आहे. याबाबत कोणास काही सांगावयाचे किंवा काही आक्षेप असल्यास त्यांनी योग्य ते पुरावे किंवा साक्षीदारांसह नायब तहसिलदार, हिंगणा यांचे न्यायालयात स्वत: जातीने/ वकीलामार्फत अथवा अन्य मार्गाने या जाहीरनामाच्या दिनांकापासून **पंधरा दिवसांच्या आत** सादर करावे. उक्त मुदतीत कुठलाही आक्षेप/उजर/ विपरित पुरावा प्राप्त न झाल्यास **मृत्यू** बाबतची नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेबाबत कोणालाही काही सांगावयाचे नाही गृहित धरून प्रस्तावित **मृत्यू** नोंदीबाबतचा आदेश निर्गमित करण्यात येईल.

शिक्का
स्वा/-
कार्यकारी दंडाधिकारी, हिंगणा

Prasanna Publicity 09326927622

कोर्ट विद्य. श्रीमती अपेक्षा रैच, नायब तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी नागपूर (श.) यांचे कोर्ट, तहसिलदार, नागपूर शहर यांचे कार्यालय, सिव्हील लाईन, नागपूर पिनकोड- ४४०००१

ई-मेल आयडी: www.tahsildarngpcity@gmail.com दुरध्वनी क्र. ०७१२-२५६११७५
क्र.प्रस्तु-३/नाय.तह./तह.नाग.(श.)/प्र.क्र. १५९/कावि-९०२/२०२४
दिनांक १३/१२/२०२४

वाचा : १) जन्म मृत्यू नोंदणी अधिनियम- १९६९ चे कलम १३, २) जन्म मृत्यु नोंदणी (सुधारणा) कायदा २०२३ चा २०, ३) भारत सरकार विधी व न्याय विभाग यांचेकडील दिनांक ११/०८/२०२३ रोजीचे राजपत्र, ४) मा. जिल्हा दंडाधिकारी नागपूर यांचे आदेश क्रमांक अका/डी-१/जन्म-मृत्यु आदेश/कावि ५३५/, दि. १५/१०/२०२४, ५) मा. जिल्हा दंडाधिकारी नागपूर यांचे आदेश क्र. अका/डी-१/ जन्म-मृत्यु आदेश/कावि- १५८/२०२४ दि. ११/०५/ २०२४, ६) **अर्जदार श्री कैलाश अर्जुन शेंडे,** वय ४७ वर्ष, राह.आय.बी.एम. रोड भिमटेकडी, जी.एस.आय. ऑफिस मागे, पोलीस स्टेशन गिट्टीखदान, नागपूर यांचा अर्ज दिनांक १५/१०/२०२४.

जाहीरनामा

ज्याअर्थी अर्जदार **श्री कैलाश अर्जुन शेंडे,** वय ४७ वर्ष, राह.आय.बी.एम. रोड भिमटेकडी, जी.एस.आय. ऑफिस मागे, पोलीस स्टेशन गिट्टीखदान, नागपूर यांनी **जन्माची** नोंद **महानगर पालिका** दप्तरी घेणेकरीता निर्देशीत करणेकामी अर्ज दाखल केला आहे.

सदर्हू अर्जदार यांनी स्वतःचा यांचा जन्म दिनांक ०७/०९/१९७७ रोजी घरी आय.बी.एम. रोड भिमटेकडी, जी.एस.आय. ऑफिस मागे, पोलीस स्टेशन गिट्टीखदान, नागपूर येथे झाला असा अर्जदार यांचा दावा आहे. त्याचप्रमाणे सदर्हू अर्जदार यांना त्यांचे **जन्म** प्रमाणपत्र शासकीय तथा खाजगी कामाकरीता आवश्यक असल्याने त्यांची नोंद घेणे कामी आदेश होणे आवश्यक असल्याबाबत त्यांनी अर्जात नमूद केले आहे.

त्याअर्थी मी कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपुर (शहर) उपरोक्त वाचा क्रं. १ आणि २ नुसार व ३ मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे मला प्राप्त अधिकारान्वये असे कळविण्यात येते कि, सदर व्यक्तीचा **जन्म** बाबत नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेकरीता व गृहचौकशी करणेकामी कार्यवाही प्रस्तावित आहे. याबाबत कोणास काही सांगावयाचे किंवा काही आक्षेप असल्यास त्यांनी योग्य ते पुरावे किंवा साक्षीदारांसह कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपुर (शहर) यांचे न्यायालयात स्वत: जातीने/ वकीलामार्फत अथवा अन्य मार्गाने या जाहीरनाम्याच्या दिनांकापासून **पंधरा दिवसाच्या आत** सादर करावे. उक्त मुदतीत कुठलाही आक्षेप/उजर/ विपरित पुरावा प्राप्त न झाल्यास **जन्म** बाबतची नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेबाबत कोणालाही काही सांगावयाचे नाही गृहित धरून प्रस्तावित **जन्म** नोंदीबाबतचा आदेश निर्गमित करण्यात येईल.

शिक्का
(श्रीमती अपेक्षा रैच)
कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपूर (शहर)

Prasanna Publicity 09326927622

नायब तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी, हिंगणा यांचे कार्यालय, जिल्हा नागपूर.

क्र./सह.अधि./प्रस्तु ३/तह. हि./ कावि- १३०४/२०२४
दिनांक १८/१२/२०२४

वाचा : १) भारत सरकार विधी व न्याय विभाग यांचेकडील दिनांक ११/०८/२०२३ रोजीचे राजपत्र, २) जन्म मृत्यु नोंदणी (सुधारणा) कायदा २०२३ चा २०, ३) मा. जिल्हा दंडाधिकारी यांचे कडील आदेश क्रमांक अका/डी-१/जन्म-मृत्यु आदेश/कावि १५८/२०२३.

जाहीरनामा

ज्याअर्थी, **अर्जदार हिरामण बळीराम भोस्कर,** रा. वार्ड नं. ५, हिंगणा, ता. हिंगणा, जि. नागपूर यांनी त्यांची आई नामे **सुंदरबाई बळीरामजी भोस्कर** यांची मृत्युची नोंद **नगर पंचायत हिंगणा** दप्तरी घेणेकरीता निर्देशीत करणेकामी अर्ज दाखल केला आहे.

अर्जदार यांची आई नामे **सुंदरबाई बळीरामजी भोस्कर** यांचा दिनांक **२२/०४/२००४** रोजी मृत्यु झालेला आहे. असे म्हणने आहे. त्याचप्रमाणे सदर्हू अर्जदार यांना त्यांचे **मृत्यू** प्रमाणपत्र शासकीय तथा खाजगी कामाकरीता आवश्यक असल्या बाबत त्यांनी अर्जात नमूद केले आहे.

त्याअर्थी मी नायब तहसिलदार, हिंगणा उपरोक्त वाचा क्रं. १ आणि २ नुसार व ३ मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे मला प्राप्त अधिकारान्वये असे फर्मावित्ते की, सदर व्यक्तीचा **मृत्यू** बाबत नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेकरीता व गृहचौकशी करणे प्रस्तावित आहे. याबाबत कोणास काही सांगावयाचे किंवा काही आक्षेप असल्यास त्यांनी योग्य ते पुरावे किंवा साक्षीदारांसह नायब तहसिलदार, हिंगणा यांचे न्यायालयात स्वत: जातीने/ वकीलामार्फत अथवा अन्य मार्गाने या जाहीरनामाच्या दिनांकापासून **पंधरा दिवसांच्या आत** सादर करावे. उक्त मुदतीत कुठलाही आक्षेप/उजर/ विपरित पुरावा प्राप्त न झाल्यास **मृत्यू** बाबतची नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेबाबत कोणालाही काही सांगावयाचे नाही गृहित धरून प्रस्तावित **मृत्यू** नोंदीबाबतचा आदेश निर्गमित करण्यात येईल.

शिक्का
स्वा/-
कार्यकारी दंडाधिकारी, हिंगणा

Prasanna Publicity 09326927622

नायब तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी, नागपूर (ग्रामीण) यांचे कार्यालय

(तहसिल कार्यालय, नागपूर ग्रामीण इमारत, आमदार निवास जवळ, सिव्हील लाईन्स, नागपूर)
Email ID : tahsilofficerural@gmil.com Phon No. 0712-2564577
क्र.अ.का.प्रस्तु १०/तह. नाग.(ग्रा.)/ कावि ४८८/२०२४
दिनांक २४ डिसेंबर २०२४.

वाचा : १) जन्म मृत्यू नोंदणी अधिनियम- १९६९ चे कलम १३, २) जन्म मृत्यु नोंदणी (सुधारणा) कायदा २०२३ चा २०, ३) भारत सरकार विधी व न्याय विभाग यांचेकडील दिनांक ११/०८/२०२३ रोजीचे राजपत्र, ४) मा. जिल्हा दंडाधिकारी नागपूर यांचे कडील आदेश क्रमांक अका/डी-१/जन्म-मृत्यु आदेश/कावि ५३५/२०२३, दि. १३/०५/२०२४.

जाहीरनामा

ज्याअर्थी अर्जदार **श्रीमती अनुसया डोमाजी पिने,** वय ६६ वर्ष, रा. मांगली, तह. नागपूर (ग्रा) यांनी त्यांचा जन्म मौजा मांगली येथे त्यांचे राहते घरी झाला असल्याचे प्रतिज्ञापत्रात नमुद केले आहे. अर्जदार यांनी त्यांचा **जन्म दिनांक ०३/०५/१९५७** रोजी मौजा-मांगली येथे त्यांचे राहत्या घरी झालेला असल्याने त्यांची नोंद ग्रामपंचायत मांगली यांचे दप्तरी घेणे करीता निर्देशित करणे कामी अर्ज दाखल केला आहे.

अर्जदार **श्रीमती अनुसया डोमाजी पिने,** वय ६६, रा. मांगली, तह. नागपूर (ग्रा) यांनी त्यांचा जन्म गाव मौजा- मांगली येथे त्यांचे आई बाबाचे राहत्या घरी झालेला असून कुटुंबियांच्या अज्ञानामुळे जन्माची नोंद होवु शकली नाही. असे प्रतिज्ञापत्रात नमुद केले आहे. त्याचप्रमाणे सदर्हू अर्जदार यांना त्यांचे **जन्म** प्रमाणपत्र शासकीय तथा खाजगी कामाकरीता आवश्यक असल्याने त्यांची नोंद घेणे कामी आदेश होणे असल्याबाबत आवश्यक कागदपत्रासह त्यांनी अर्जात नमूद केले आहे.

त्याअर्थी मी नायब तहसिलदार नागपूर (ग्रामीण) मला प्राप्त अधिकारन्वये असे कळविण्यात येते कि, सदर व्यक्तीचा **जन्म** बाबत नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेकरीता याबाबत कोणास काही सांगावयाचे किंवा काही आक्षेप असल्यास त्यांनी योग्य ते पुरावे किंवा साक्षीदारांसह नायाब तहसिलदार नागपूर (ग्रामीण) यांचे न्यायालयात स्वत: जातीने/ वकीलामार्फत अथवा अन्य मार्गाने या जाहीरनाम्याच्या दिनांकापासून **पंधरा दिवसाच्या आत** सादर करावे. उक्त मुदतीत कुठलाही आक्षेप/उजर/ विपरित पुरावा प्राप्त न झाल्यास **जन्म** बाबतची नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेबाबत कोणालाही काही सांगावयाचे नाही गृहित धरून प्रस्तावित **जन्म** नोंदीबाबतचा आदेश निर्गमित करण्यात येईल.

शिक्का
स्वाक्षरी/-
नायाब तहसिल नागपूर (ग्रामीण).

Prasanna Publicity 09326927622

जाहीर सूचना

आम जनतेस सूचित करण्यात येते कि, माझे पक्षकार **श्रीमती लीना सुजित पैठने,** रा. प्लॉट नं. ९बी, जुना सुभेदार लेआऊट, शारदा चौक, अयोध्या नगर, नागपूर यांचे पती **श्री सुजित जॉन पैठने यांचा मृत्यु दिनांक २८/०९/२०२२** रोजी झाला आहे. त्यांच्या नावावर असलेले वाहन खालील प्रमाणे.

Two Wheeler- MAESTRO EDGE CAST WHEEL
Reg. No. : MH49BS7427
CH. No. : MBLJFW158MGG01995
Eng. No.: JF16EKMGG00956
Reg. Date : 18/10/2021

उपरोक्त वाहन आता माझे पक्षकार यांच्या नावे हस्तांतरण करण्याबाबत माझे पक्षकार यांनी प्रादेशीक परिवहन कार्यालय, नागपूर येथे अर्ज सादर केलेला आहे. तरीही कोणालाही कोणत्याही प्रकारचा आक्षेप, उजर, गहाण, बक्षिस, हस्तांतरण इ. असल्यास ही जाहीर सूचना प्रकाशित झालेल्या तारखेपासून **सात दिवसाच्या आत** त्यांनी प्रादेशीक परिवहन कार्यालय, नागपूर येथे किंवा खालील पत्यावर योग्य त्या पुराव्यासह भेटावे अन्यथा उपरोक्त वाहन माझे पक्षकार यांच्या नावे हस्तांतरीत करण्यात येईल. याची कृपया नोंद घ्यावी.

नागपूर, दि. ०१.०१.२०२५

अॅड. राजीव पालपर्ती
२२ए, बालाजी नगर पूर्व, मानेवाडा रोड, नागपूर- ४४००२४. मो.नं. ९०९६३२७४९०

Prasanna Publicity 09326927622

CMYK

नए साल के जश्न में डूबा देश

नई दिल्ली.

दुनियाभर में नए साल का जश्न मनाया जा रहा है। भारत में भी नए साल को लेकर लोगों में जमकर उत्साह दिखाई दे रहा है। नए साल के मौके पर हर तरफ रोशनी ही रोशनी दिखाई दे रही है। इस मौके पर खूब आतिशबाजी भी की गई है और जनता पूरी मस्ती के साथ इस मौके को सेलिब्रेट कर रही है। लोग अपने दोस्तों और परिजनों के साथ इस खास मौके का जश्न मना रहे हैं।

गोवा में लोग जमकर नए साल का जश्न मना रहे हैं। मुंबई के बांद्रा में नए साल से पहले का जश्न मनाया जा रहा है। नए साल की पूर्व संध्या का जश्न मनाने के लिए शिमला के मॉल रोड पर बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए।

हर तरफ जगमग रोशनी

मनाली में नए साल की पूर्व संध्या पर लोग जमकर एंजॉय कर रहे हैं। वहीं नए साल की शाम को चेन्नई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पूरी तरह से सजाया गया। हरियाणा के गुरुग्राम में नए साल की पूर्व संध्या का जश्न चल रहा है। श्रीनगर के लाल चौक पर लोग नए साल की पूर्वसंध्या मना रहे हैं और नाचते-गाते दिख रहे हैं।ऋषिकेश के परमार्थ निकेतन आश्रम के सामने लोगों ने नए साल की पूर्व संध्या पर गंगा आरती की। साल 2024 के आखिरी दिन अयोध्या के सरयू घाट परआखिरी संध्या आरती हुई। इसका वीडियो भी सामने आया है।

मुंबई-गोवा हाईवे पड़ गया ठप

नए साल मनाने के लिए लोग परिवार सहित बाहर पर्यटन स्थलों की ओर निकल रहे हैं। जश्न से पहले वाहनों की अत्यधिक भीड़ और कई मार्गों पर जारी निर्माण कार्य के कारण मुंबई-गोवा राजमार्ग पर यातायात जाम होने की समस्या उत्पन्न हो गई है। गोवा और महाराष्ट्र में रायगढ़ जिले के अलीबाग जाने के कारण मुंबई के पास लोनेरे, माणगांव और इंदापुर पोइनाद की सड़कों पर सोमवार को यातायात जाम रहा। वहीं, कई मार्गों पर निर्माण कार्य जारी रहने के कारण भी यातायात में बाधा आ रही है।

विदेशों में भी धूम

विदेशों में भी नव वर्ष धूमधाम से मायया जा रहा है. ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी में चमकदार आतिशबाजी के साथ नए साल 2024 की शुरुआत का जश्न मनाया गया। ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी में चमकदार आतिशबाजी के साथ नए साल 2024 की शुरुआत का जश्न मनाया गया। न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में आतिशबाजी के साथ नए साल 2024 का स्वागत किया गया। थाईलैंड ने बैंकॉक में चमकदार आतिशबाजी के साथ नए साल 2024 की शुरुआत का जश्न मनाया।

नायडू देश के सबसे धनी सीएम

> एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने जारी की रिपोर्ट

नई दिल्ली.

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स यानी एडीआर ने एक रिपोर्ट जारी कर बताया कि देश के सबसे अमीर सीएम चंद्रबाबू नायडू हैं। रिपोर्ट के अनुसार आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू के पास कुल 931 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है।

वहीं, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी मात्र 15 लाख रुपये की संपत्ति के साथ सबसे गरीब मुख्यमंत्री हैं। नए साल पहले जारी हुई इस रिपोर्ट ने सभी को हैरान कर दिया है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की इस रिपोर्ट में बताया गया कि राज्य विधानसभाओं और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रत्येक मुख्यमंत्री की औसत संपत्ति 52.59 करोड़ रुपये है।

एडीआर की रिपोर्ट से पता चलता है कि अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा खांडू लगभग 332 करोड़ रुपये से अधिक की कुल संपत्ति के साथ दूसरे सबसे अमीर मुख्यमंत्री हैं। वहीं, कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर आते हैं। उनकी कुल संपत्ति 51 करोड़ रुपये से अधिक है।

वहीं, ये भी कहा गया है कि 13 (42 प्रतिशत) मुख्यमंत्रियों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। इसके अलावा 10 (32 प्रतिशत) ने हत्या के प्रयास, अपहरण, रिश्वतखोरी और आपराधिक धमकी से संबंधित गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं।

रिपोर्ट में सामने आयी ये बात

बता दें कि इस रिपोर्ट से पता चलता है कि हमारे देश भारत में प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय या एनएनआई 2023-2024 के लिए लगभग 1,85,854 रुपये थी। वहीं, एक सीएम की औसत स्व- आय करीब 13,64,310 रुपये के करीब रही, जो भारत की औसत प्रति व्यक्ति आय से लगभग 7.3 गुना ज्यादा है।

अब नहीं होगी पानी के लिए परेशानी

नई दिल्ली.

देश में पानी के पूरे ढांचे को पूरी तरह नया रूप देने के लिए केंद्र सरकार ने राज्यों में एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन से संबंधित प्राधिकरण और परिषद का पूरा ढांचा साझा किया है। प्राधिकरण और परिषद का गठन राज्यों के स्तर पर होगा। राज्य परिषद में मुख्यमंत्री के अलावा 12 मंत्रालयों के प्रभारी मंत्री शामिल होंगे। राज्य स्तरीय व्यवस्था की तर्ज पर ग्राम पंचायत, ब्लाक, शहर और जिलों के स्तर पर भी जल संसाधन प्रबंधन परिषद बनाई जाएंगी।

इन प्राधिकरण और परिषद के स्तर पर ही पानी के संदर्भ में सभी निर्णय लिए जाएंगे। इन्हीं पर नियम-कायदे तय करने की जिम्मेदारी होगी और इस्तेमाल के तौर-तरीकों की निगरानी भी उनकी ओर से की जाएंगी।

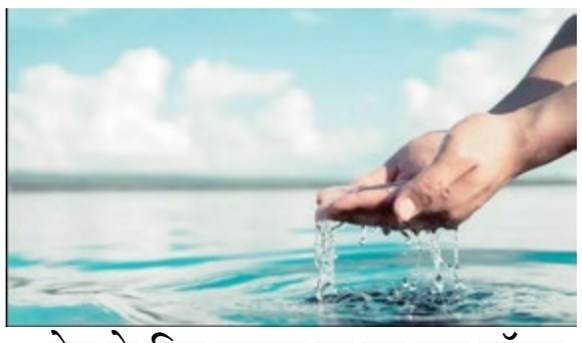

> देश के लिए बनाया जा रहा नया मॉडल

भूजल के संरक्षण से लेकर बाढ़ प्रबंधन का दायित्व भी जल संसाधन प्रबंधन प्राधिकरण के पास होगा।

इसका मतलब है कि अगर केंद्र सरकार की ओर से सुझाए गए बिल (राज्य जल संसाधन प्रबंधन विधेयक, 2024) के अनुरूप राज्यों ने अपने यहां व्यवस्था की तो कम से कम पानी के मामले में विभागों के बीच जिम्मेदारियों को लेकर न तो खींचतान होगी और न ही सब चलता है वाली प्रवृत्ति चल पाएगी।

राज्य एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन परिषद के अध्यक्ष मुख्यमंत्री और उपाध्यक्ष संबंधित राज्य के जल संसाधन मंत्री होंगे। इसके अलावा परिषद में भूजल प्रबंधन, सिंचाई, कृषि, ग्रामीण पेयजल और स्वच्छता, शहरी पेयजल और स्वच्छता, उद्योग, वन एवं पर्यावरण, ग्रामीण विकास और पंचायती राज, शहरी विकास और नगर नियोजन, वित्त और कानून मंत्री शामिल होंगे। राज्य परिषद में ग्राम पंचायत और शहरी जल संसाधन प्रबंधन परिषद के प्रतिनिधियों के साथ जिला स्तरीय समिति का भी एक सदस्य होगा।

बड़े राज्यों में बनेंगे क्षेत्रीय कार्यालय

इसके साथ ही राज्य के मुख्य सचिव और जल संसाधन प्राधिकरण के अध्यक्ष को भी इसमें जगह दी जाएगी। इस परिषद की साल में दो बार बैठक जरूरी है। यह परिषद ही राज्य में जल नीति बनाएगी या उसमें संशोधन करेगी। पूरे राज्य के लिए जल प्रबंधन योजना को मंजूरी देगी। भूजल संरक्षण क्षेत्र, बाढ़ प्रभावित क्षेत्र और नदी संरक्षण क्षेत्र का निर्धारण भी यही परिषद करेगी।

महाकुंभ शुरू होने से पहले जन्मा 'कुंभ'

प्रयागराज.

महाकुंभ 2025 शुरुआत होने में कुछ ही दिन बचे हैं. महाकुंभ नगर में बनाए गए अस्थाई अस्पताल में एक महिला की सफल डिलीवरी हुई. महिला ने एक बच्चे को जन्म दिया. इस अस्पताल में जन्मा यह पहला बच्चा है. महाकुंभ शुरू होने से पहले ही सेंट्रल हॉस्पिटल के चिकित्सकों ने सफलतापूर्वक डिलीवरी कराई है. महिला ने बच्चे का नाम भी कुंभ रख दिया है. दरअसल, मंझनपुर निवासी सोनम अपने पति के साथ प्रयागराज आई हैं. सोनम के पति महाकुंभ में सफाईकर्मी हैं. पत्नी सोनम को प्रसव पीड़ा हुई.

इस पर पति राजा सोनम को लेकर महाकुंभ नगर में बने अस्थाई अस्पताल सेंट्रल हॉस्पिटल पहुंचे. यहां डॉ. नूपुर और डॉ. वर्तिका ने सोनम का सफल ऑपरेशन किया. सोनम ने एक बच्चे को जन्म दिया, जिसका वजन 2.4 किलोग्राम है. चिकित्सकों के मुताबिक, जच्चा और बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं. बाद में दोनों को स्वरूप रानी अस्पताल रेफर कर दिया गया. सेंट्रल हॉस्पिटल की यह पहली डिलीवरी थी. सोनल के पति राजा ने बताया कि बच्चे का नाम भी तय कर लिया है. उन्होंने बच्चे का नाम कुंभ रख दिया है. संयुक्त निदेशक डॉ. वीके मिश्र ने बताया कि महिला को प्रसव पीड़ा होने पर अस्थाई केंद्रीय अस्पताल लाया गया था.

इसरो की जनवरी में एक और उड़ान

नई दिल्ली.

> एनवीएस-02 उपग्रह की होगी लॉन्चिंग

नए साल से पहले भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अंतरिक्ष में एक और उड़ान भरी. इसके साथ ही इसरो ने इतिहास रच दिया. दरअसल, इसरो ने सोमवार रात कई उपग्रहों के साथ अपने वर्कहॉर्स पीएसएलवी रॉकेट को लॉन्च किया, जिसमें दो उपग्रह शामिल हैं. ये उपग्रह एक महत्वाकांक्षी स्वायत्त कक्षीय मिलन और डॉकिंग प्रयोग को अंजाम देंगे. इसके बाद भारत दुनिया के उन चार देशों में शामिल हो जाएगा जिनके पास अंतरिक्ष में लॉकिंग तकनीकी मौजूद है.

इस मिशन की सफलता के बाद इसरो जनवरी 2025 में एक और मिशन को लॉन्च करने की योजना बना रहा है. दरअसल, इसरो

अगले साल एनवीएस-02 उपग्रह को जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (जीएसएलवी) द्वारा लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है. इसरो प्रमुख एस सोमनाथ के मुताबिक, यह मिशन अगले साल के लिए नियोजित कई मिशनों में से एक है. सोमवार रात किए गए पीएसएलवी-सी60 के सफल प्रक्षेपण के बाद सोमनाथ ने यह घोषणा की, जिसमें स्पैडेक्स और अन्य पेलोड को एक साथ अंतरिक्ष में ले जाया गया है.

बता दें कि इसरो ने इससे पहले 29 मई, 2023 को जीएसएलवी-एफ12 रॉकेट द्वारा एनवीएस-01 उपग्रह को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) सफलतापूर्वक लॉन्च किया था. इसरो प्रमुख ने बताया कि एनवीएस-01 उपग्रह में एक स्वदेशी परमाणु घड़ी है, जो नेविगेशन विद इंडियन कॉन्स्टेलेशन (एनएवीआईसी) की क्षमताओं की बढ़ोतरी करती है. जिसमें एक मेगा सर्विस कवरेज के लिए एल1 बैंड सिग्नल शामिल है.

पीएसएलवी-सी60 स्पेड एक्स मिशन लॉन्च: इसरो ने अपने पीएसएलवी-सी60 स्पेड एक्स मिशन को लॉन्च कर दिया है। इसरो इस मिशन को लॉन्च करने के लिए दो उपग्रहों का इस्तेमाल कर रहा है। इनका नाम चेजर और टारगेट है। इनका वजन 220 किलो होगा।

ये मिशन भारत के लिए किसी ऐतिहासिक मौके से कम नहीं है। स्पैडेक्स की टेक्नोलॉजी अभी सिर्फ और सिर्फ तीन देशों के पास है।